हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 69 | जौनपुर, सोमवार 04 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

मोदी की गारंटी पर जनता के विश्वास की गारंटी है : सीएम योगी

लखनऊ (एजेन्सी)। ाजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत से उत्साहित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे मोदी की गारंटी पर जनता के विश्वास की गारंटी का परिणाम बताया है और कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर बधाई देते हुए लिखा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में चार राज्यों के चुनाव परिणामों में तीन राज्यों में बीजेपी की भारी बहुमत से हैट्रिक लगना श्मोदी की गारंटीश पर श्जनता के विश्वास की गारंटीश है। भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं एवं सम्मानित मतदाताओं को हार्दिक बध ाई व शुभकामनाएं। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि इन नतीजों से साफ है कि भारत के मन में मोदी है। मोदी के मन में भारत है। उन्होंने कहा कि कमल खिलने का मतलब सुशासन और विकास की गारंटी है। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का पूरे देश की राजनीति में डंका बज रहा है।

पीएम मोदी के मास्टर स्ट्रोक से खिसका कांग्रेस का गुर्जर वोट

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट रविवार को पहले दौर की गिनती में मामूली झटके के बाद अपने टोंक विधानसभा क्षेत्र में आगे चल रहे हैं, जिसमें वह शुरूआत में पीछे चल रहे थे। पायलट ने 2018 में बीजेपी उम्मीदवार यूनुस खान को 54,179 वोटों के अंतर से हराकर सीट जीती थी। सचिन पायलट राजस्थान के एक प्रमुख गुर्जर नेता हैं जो लगातार गहलोत सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर करते रहे हैं। हालांकि इस अंदरूनी कलह के कारण राज्य में कांग्रेस परेशानी में दिख रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह पार्टी के लिए सचिन पायलट को अध िक जिम्मेदारी देने का मौका बन सकता है। 2018 में, सचिन पायलट पार्टी के अध्यक्ष थे जब उन्होंने राज्य को भाजपा से छीन लिया था। राजस्थान में गुर्जर मतदाता काफी बड़ी मात्रा में है।

सीएम योगी ने 242 युवाओं को दिया नियुक्ति पत्र

लखनऊ (एजेन्सी) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नियुक्ति पत्र पाने वालों के लिए अवसर है लेकिन हमें जिम्मेदारियां भी समझनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि अधिकार की बात हर कोई करता है, लेकिन कर्तव्य के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। अधिकार से अधिक कर्तव्य महत्वपूर्ण है, कर्तव्य का निर्वहन करेंगे तो अधिकार सुरक्षित हो जाएगा। जब समाज अधिकारों की बात करता है और कर्तव्यों की बात नहीं करता तो वह स्वयं को धोखा देता है।

कर्तव्य किया तो बिना सिफारिश, बिना भेदभाव आपका चयन हुआ। पारदर्शी प्रक्रिया के तहत राज्य में साढ़े छह वर्ष में छह लाख लोगों को नौकरी मिली। सीएम ने कहा कि हमारा परिश्रम ही सबसे बड़ा सर्टिफिकेट है। परिश्रम की पराकाष्ठा करते हुए आपको यूपी के सर्वांगीण विकास में योगदान देना चाहिए।

खड़गे के अध्यक्ष बनने से दक्षिण में खुले कांग्रेस के द्वार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। 2024 से पहले 2023 के आखिर में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में शिक्षा के नतीजे आज सामने आ रहे हैं। शुरुआती रुझानों में देखें तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा जबरदस्त बहुमत के साथ सरकार बनाती हुई दिखाई दे रही है। तो वहीं तेलंगाना में कांग्रेस के लिए अच्छी खबर है जहां वह के चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्रीय समिति पर भारी बहुमत बनाती हुई दिखाई दे रही है। ऐसे में कहा जा सकता है कि हिंदी बेल्ट और खास करके उत्तर और मध्य भारत में कांग्रेस को मिल रही करारी शिकस्त के बीच तेलंगाना से पार्टी के लिए अच्छी खबर आई है। तेलंगाना से यह खबर ऐसे समय में आई है जब पार्टी को दक्षिण के एक और राज्य कर्नाटक में कुछ महीने पहले जबरदस्त जीत मिली थी।

विश्व दिव्यांग दिवस : सीएम योगी बोले, जब भी अवसर मिला दिव्यांगजनों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया

लखनऊ (एजेन्सी) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। ऋषि अष्टावक्र, मध्यकालीन संत सुकरात, वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग और जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य इसके उदाहरण हैं। चीन में संपन्न हुए पैरा एशियाई खेलों को ही देखें तो हमारे पैरा खिलाड़ियों ने 111 मेडल जीते हैं। उन्होंने कहा कि सामान्य नागरिक की तुलना में दिव्यांगजनों का प्रदर्शन हमेशा बेहतरीन रहता है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनियाभर के दिव्यांगजनों को सम्मान देने के लिए उन्हें विकलांग की जगह एक नया शब्द दिव्यांग दिया। सीएम योगी ने रविवार को डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के अटल ऑडिटोरियम में आयोजित विश्व दिव्यांग दिवस के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में दिव्यांगजन अध िकार अधिनियम देश में लागू किया था। उसी कड़ी में राज्य सरकार के द्वारा भी इस अधिनियम को पूर्ण रूप से अंगीकार किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दिव्यांगजन कल्याण से जुड़ी हुई योजनाओं की धनराशि में वृद्धि की है। पहले दिव्यांगजनों को 300 रुपए प्रतिमाह पेंशन की सुविधा मिलती थी। वर्तमान में इसे बढ़ाकर हमने 1000 रुपए मासिक कर दिया है। आज प्रदेश के लगभग 10 लाख दिव्यांगजन इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि 2016–17 के बजट में प्रदेश के दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए मात्र 312 करोड़ रुपए का प्रावधान था। वर्तमान में हमारी सरकार ने इसे बढ़ाकर 1120 करोड़ रुपए कर दिया है। कुष्ठ रोग से जो ग्रसित दिव्यांगजनों को पहले ढाई हजार रुपए की पेंशन मिलती थी। इसे बढ़ाकर हमने तीन हजार रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022–23 में प्रदेश के अंदर कुल 305000 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपकरण वितरण की कार्रवाई को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया है। साथ ही प्रदेश की सभी 80 लोकसभा क्षेत्रों में 8000 मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की यात्रा के लिए राज्य सरकार प्रतिवर्ष 40 करोड़ रुपए परिवहन विभाग को दे रही है। साथ ही 4342 दिव्यांगजनों को शादी प्रोत्साहन की राशि उपलब्ध करवाई गई है। सीएम योगी ने कहा कि मानसिक दिव्यांगजन के लिए पूरे प्रदेश में पहले मेरठ, बरेली और गोरखपुर को मिलाकर कुल तीन राजकीय आश्रय गृह थे। वर्तमान में हमारी सरकार ने 6 नवीन केंद्रों की स्थापना की कार्रवाई को आगे बढ़ाया है। सीएम योगी ने कहा कि दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा में अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टर शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के संचालन के साथ ही साथ प्रभु श्रीराम की पावन तपो भूमि चित्रकूट में भी जगतगुरु दिव्यांग विश्वविद्यालय को राज्य विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी जा चुकी है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है। जहां दिव्यांगजनों के लिए दो विश्वविद्यालय संचालित हैं। कार्यक्रम में सीएम योगी ने सामाजिक संस्थाओं एवं विशेष विद्यालयों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

विपक्ष ने जितना कीचड़ उछाला, उतना ही मोदी जी निखर कर आए

नई दिल्ली (एजेन्सी)। हिंदी बेल्ट के तीन राज्य मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा जबरदस्त जीत दर्ज की है। यही कारण है कि भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भी है, उत्साह भी है और वह लगातार जश्न मना रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस के लिए तेलंगाना से अच्छी खबर है जहां वह सरकार बनाने की स्थिति में है। जीत से उत्साहित भाजपा नेता लगातार मीडिया में बयान भी दे रहे हैं। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री और अमेठी से सांसद स्मृति ईरानी ने एक बार फिर से गांध ी परिवार पर निशाना साधा है। स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर जनता ने जो भरोसा दिखाया है, भाजपा के कार्यकर्ता होने के नाते हम जनता के प्रति कृ तज्ञता का भाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने जिस प्रकार की अभद्र टिप्पणियां प्रधानमंत्री मोदी के ऊपर की, जिस प्रकार का कटाक्ष विपक्ष के नेताओं ने पीएम मोदी पर किया वो कटाक्ष गांधी परिवार को महंगा पड़ा है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह जीत खास है। देश को प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास है। इन चुनावों में यह स्पष्ट तौर पर उभरा है कि लोग डबल इंजन की सरकार चाहते हैं, मोदी जी के विकास और गरीब कल्याण में विश्वास रखते हैं। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की गारंटियां फेल हो गईं...भाजपा की डबल इंजन की सरकार पर वापस मुहर लगी है. .. विपक्ष ने जितना कीचड़ उछाला, उतना ही मोदी जी निखर कर आए, उतना ही कमल खिला है। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के 4 राज्यों की जनता ने फिर एक बार अपना आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया है। ये सामान्य विजय नहीं है। मध्य प्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक बढ़त हुई है।

बंपर जीत से जश्न में डूबे भाजपाई, बोले तीसरी बार पीएम बनेंगे मोदी

लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं ने दिवाली मनाई, जीत से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटी

लखनऊ (एजेन्सी)।मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की बंपर जीत से उत्साहित पार्टी कार्यकर्ता जश्न में डूब गए हैं। लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं ने दिवाली मनाई। जीत से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि तीन राज्यों में भाजपा की बड़ी जीत ने साबित कर दिया गया है कि 2024 में एक बार फिर नरेंद्र मोदी देश के प्रध ानमंत्री बनेंगे। 2024 में भाजपा की जीत तय हो गई है। हालांकि, तेलंगाना में कांग्रेस को रुझानों में बहुमत प्राप्त हो रहा है लेकिन मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की जीत को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इन राज्यों के चुनाव को आम चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था। इन चुनाव में परिणाम 3–1 से भाजपा के पक्ष में रहा है। मध्य प्रदेश में भाजपा को 150 से भी ज्यादा सीटों पर जीत मिलती हुई नजर आ रही है। यह जीत बेहद बड़ी है। कयास लगाए जा रहे थे कि करीब 18 साल से राज्य में सत्ता पर काबिज भाजपा के खिलाफ राज्य में माहौल है। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह निर्विवादित सत्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है। भारत के मन में मोदी हैं। मोदी के मन में भारत है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत से उत्साहित यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि इन नतीजों से साफ है कि भारत के मन में मोदी है। मोदी के मन में भारत है। उन्होंने कहा कि कमल खिलने का मतलब सुशासन और विकास की गारंटी है। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का पूरे देश की राजनीति में डंका बज रहा है...आज पूरे आत्मविश्वास से हम कह सकते हैं कि भारत के मन में मोदी जी हैं और मोदी जी के मन में भारत है...मध्य प्रदेश में हमारी सरकार प्रचंड बहुमत के साथ फिर वापस आ रही है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कमल खिल गया है... कमल खिलने का मतलब है सुशासन और विकास की गारंटी। अभी तक आए रुझानों में कांग्रेस को सिर्फ तेलंगाना में ही जीत मिली है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में हार के साथ ही छत्तीसगढ़ उसके हाथों से निकल गया है। इन राज्यों के चुनाव को आम चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था। इन चुनाव में परिणाम 3–1 से भाजपा के पक्ष में रहा है। मध्य प्रदेश में भाजपा को 150 से भी ज्यादा सीटों पर जीत मिलती हुई नजर आ रही है। यह जीत बेहद बड़ी है। कयास लगाए जा रहे थे कि करीब 18 साल से राज्य में सत्ता पर काबिज भाजपा के खिलाफ राज्य में माहौल है। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह निर्विवादित सत्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है।

शरद पवार बोले- चुनावी नतीजों का I-N-D-I-A- गठबंधन पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजों का आई.एन.डी. आई.ए. गठबंधन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जिसमें कांग्रेस के नेतृत्व में 25 से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं। उनका यह बयान तब आया है जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने के लिए तैयार है, जबकि कांग्रेस तेलंगाना में आगे चल रही है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजों का आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जिसमें कांग्रेस के नेतृत्व में 25 से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं। उनका यह बयान तब आया है जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने के लिए तैयार है, जबकि कांग्रेस तेलंगाना में आगे चल रही है। पवार की छब्ब भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (INDIA) का हिस्सा है, जिसका गठन 2024 के लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा से मुकाबला करने के लिए किया गया था। राकांपा का एक धड़ा पार्टी में विभाजन के बाद भाजपा के साथ जुड़ा हुआ है, जब उनके भतीजे अजीत पवार महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हो गए।

तेलंगाना में कांग्रेस को बहुमत, रेड्डी ने निभाई बड़ी भूमिका

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के शहीदों की उम्मीदों को पूरा करने का समय आ गया है

तेलंगाना (एजेन्सी)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के शहीदों की उम्मीदों को पूरा करने का समय आ गया है। तेलंगाना में बीआरएस से सत्ता छीनने की दौड़ में आगे निकलने के बाद ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि शहीदों और राज्य के चार करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का समय आ गया है। टीपीसीसी अध्यक्ष ने श्रीकांत चारी को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने तेलंगाना को राज्य का दर्जा देने की मांग करते हुए आत्मदाह कर ली थी। नलगोंडा जिले के फार्माकोलॉजी के छात्र चारी ने 3 दिसंबर, 2009 को जलने के कारण दम तोड़ दिया था। तेलंगाना, जो 2014 में अपनी स्थापना के बाद से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का गढ़ रहा है, फिलहाल राजनीतिक बदलाव के कगार पर है। राज्य में आ गया है। तेलंगाना में बीआरएस से सत्ता छीनने की दौड़ में आगे निकलने के बाद ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि शहीदों और राज्य के चार करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का समय आ गया है। टीपीसीसी अध्यक्ष ने श्रीकांत चारी को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने तेलंगाना को राज्य का दर्जा देने की मांग करते हुए आत्मदाह कर ली थी। नलगोंडा जिले के फार्माकोलॉजी के छात्र चारी ने 3 दिसंबर, 2009 को जलने के कारण दम तोड़ दिया था। तेलंगाना, जो 2014 में अपनी स्थापना के बाद से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का गढ़ रहा है, फिलहाल राजनीतिक बदलाव के कगार पर है। राज्य में कांग्रेस के चंद्रशेखर राव की पार्टी को बाहर करने की राह पर है। तेलुगु राज्य में सबसे पुरानी पार्टी के पुनरुत्थान में तेलंगाना कांग्रेस के तेजतर्रार अध यक्ष अनुमुला रेवंत रेड्डी ने बड़ी भूमिका निभाई है। रेवंत रेड्डी ने बैटलग्राउंड तेलंगाना को केवल बीआरएस और कांग्रेस के बीच ही रखा। चुनावी राजनीति में 40 वर्षों से अधिक के अनुभवी होने के बावजूद, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने खुद को युवा और गतिशील रेवंत रेड्डी के खिलाफ खुद को मजबूत पाया। रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस के अभियान ने लड़ाई को सीधे केसीआर तक पहुंचा दिया और उन्हें कड़ी टक्कर दी। कामारेड्डी में, जहां रेड्डी का मुकाबला केसीआर से है, बीआरएस सुप्रीमो कई दौर की वोटिंग के बाद पीछे चल रहे थे। रेड्डी दूसरी सीट कोडंगल से भी आगे चल रहे हैं, जहां से उन्होंने चुनाव लड़ा था। एक अनुभवी राजनेता और मल्काजगिरी से लोकसभा सांसद, रेवंत रेड्डी तेलंगाना की राजनीति में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति रहे हैं। 2017 में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) से वह कांग्रेस में आए। तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त होने के बमुश्किल दो साल बाद, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के पूर्व विधायक, जिन्होंने दक्षिणपंथी छात्र संघ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से नाता तोड़ लिया था, ने सबसे पुरानी पार्टी का राज्य में विधानसभा चुनाव में शानदार जीत का नेतृत्व किया है।

लाडली बहना योजना ने एमपी में भाजपा के लिए खत्म किए सारे कांटे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सत्तारूढ़ भाजपा मध्य प्रदेश चुनावों में भारी जीत के साथ सत्ता बरकरार रखती दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री शिवराज चौहान की नजर मुख्यमंत्री के रूप में संभावित चौथे कार्यकाल पर है, और राज्य की राजधानी भोपाल में पार्टी के मुख्यालय में वोटों की गिनती के दौरान जश्न का माहौल देखा गया। 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विध ानसभा का चुनाव भाजपा और कांग्रेस के बीच लड़ाई थी, जिसकी वर्ष 2018 में बनी तत्कालीन 15 महीने पुरानी सरकार, कांग्रेस से भाजपा में आए ज्योतिरादित्य सिंधिया की वजह से 2020 में सत्ता से गिर गई थी। जैसे ही चुनाव आयोग के नतीजों ने सत्ता में वापसी का संकेत दिया, चौहान ने राज्य में पार्टी की सफलता के लिए डबल इंजन वाली भाजपा सरकार को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि मोदी जी एमपी के मन में हैं और मोदी जी के मन एमपी में हैं। उन्होंने यहां सार्वजनिक रैलियां कीं और लोगों से अपील की और उसने लोगों के दिलों को छू लिया। ये रुझान उसी का परिणाम हैं। डबल इंजन सरकार ने योजनाओं को ठीक से लागू किया। चुनाव आयोग ने कहा कि बीजेपी 157 और कांग्रेस 71 सीटों से आगे चल रही है। हालांकि भाजपा ने चौहान के खिलाफ कथित सत्ता विरोधी लहर से निपटने के लिए तीन केंद्रीय मंत्रियों नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते को मैदान में उतारा था।

तेलंगाना में बीआरएस ने स्वीकार की हार, कांग्रेस ने हासिल की जीत

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जबर्दस्त जीत हासिल की है, के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सत्ता से बाहर हो गई है

तेलंगाना (एजेन्सी)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जबर्दस्त जीत हासिल की है। इसके साथ ही के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार सत्ता से बाहर हो गई है। तेलंगाना का 2014 में जन्म हुआ था। उसके बाद से लगातार तो कार्यकाल के लिए के चंद्रशेखर राव राज्य के मुख्यमंत्री बने। उनकी पार्टी टीआरएस ने दो बार का विधानसभा चुनाव जीता। हालांकि, राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को ध्यान में रखते हुए के चंद्रशेखर राव ने अपनी पार्टी का नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर दिया था। तेलंगाना में फिलहाल भारत राष्ट्र समिति कांग्रेस से काफी पीछे है। कांग्रेस राज्य में लगभग 65 सीटों पर जीत हासिल करते हुए दिखाई दे रही है वहीं 40 पर बीआरएस को बढ़त है। इन सब के बीच केटी रामा राव ने तेलंगाना में बीआरएस की हार को स्वीकार कर लिया है। केटी रामा राव तेलंगाना में मंत्री रहे हैं और वह के चंद्रशेखर राव के बेटे भी हैं। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि बीआरएस को लगातार दो कार्यकाल देने के लिए तेलंगाना के लोगों का आभारी हूं। आज के नतीजे से दुखी नहीं हूं, लेकिन निराश जरूर हूं क्योंकि यह हमारे लिए उम्मीद के मुताबिक नहीं था। लेकिन हम इसे एक सीख के रूप में लेंगे और वापसी करेंगे। जनादेश जीतने पर कांग्रेस पार्टी को बधाई। कांग्रेस ने राज्य में अच्छी बढ़त हासिल करते हुए के. चंद्रशेखर राव के सपने को चकनाचूर कर दिया। बीआरएस की परेशानी बढ़ाने के लिए, राज्य के दो बार के मुख्यमंत्री राव उन दो सीटों में से एक से पीछे चल रहे हैं, जिन पर वह चुनाव लड़ रहे हैं। वह कामारेड्डी में कांग्रेस के युवा राज्य प्रमुख रेवंत रेड्डी से पीछे चल रहे हैं। तेलंगाना राष्ट्र समिति, जिसे अब भारत राष्ट्र समिति का नाम दिया गया है, ने तेलंगाना के राज्य आंदोलन का नेतृत्व किया था और 2014 में राज्य को आंध ्र प्रदेश से अलग करने के बाद से एक दशक तक अटूट समर्थन प्राप्त किया था। इस बदलाव को आंशिक रूप से राव और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा खुलासा कि राव ने एनडीए में शामिल होने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें अस्वीकार कर दिया गया था, इससे भी इसमें इजाफा हो सकता है।

अपनी ही पार्टी कांग्रेस पर भड़के प्रमोद कृष्णम, कहा- सनातन का श्राप ले डूबा

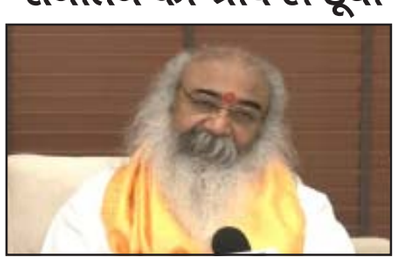

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विधानसभा चुनाव के नतीजे जारी होने पर अपनी ही पार्टी पर कटाक्ष किया, जिसमें सबसे पुरानी पार्टी मतगणना रुझानों के अनुसार काफी पीछे है और उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का विरोध करने से पार्टी डूब गई है। एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पिछड़ने पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, श्सनातन (धर्म) का विरोध करने से पार्टी डूब गई है। इस देश ने कभी भी जाति–आधारित राजनीति को स्वीकार नहीं किया है. .. यह सनातन (धर्म) का विरोध करने का अभिशाप है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सनातन का "श्राप" इनको ले डूबा। आचार्य प्रमोद ने कहा कि कांग्रेस पहले गांधीजी की पार्टी के रूप में जानी जाती थी। रघुपति राघव राजा राम...और अब सनातन धर्म के खिलाफ पार्टी के रूप में जानी जाती है। अगर कांग्रेस इन वामपंथी नेताओं को पार्टी से बाहर नहीं निकालती तो यह।

सम्पादकीय

मतदान प्रतिशत का नतीजों से कोई सीधा संबंध नहीं है

किसी भी चुनाव में मतदान के आंकड़े वोटरों की भागीदारी तो बताते हैं, लेकिन वे शायद ही संभावित परिणामों की ओर संकेत करते हों। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में मतदान का प्रतिशत यह तो दर्शाता है कि किस राज्य में कितना मतदान हुआ, साथ ही यह इस बात का भी संकेत है कि मतदाताओं ने चुनावों में कितनी रुचि दिखाई, लेकिन यह परिणाम का कोई संकेत नहीं देता। परम्परागत रूप से माना जाता है कि अधिक मतदान परिवर्तन के लिए उमड़े मतदाताओं के मूड का संकेत है और कम मतदान यथास्थिति के लिए उनका समर्थन है, लेकिन ऐतिहासिक साक्ष्य न तो राष्ट्रीय चुनावों और न ही राज्यों के चुनावों में इसे सही साबित करते हैं। अभी तक हुए 17 लोकसभा चुनावों में से सात में मतदान बढ़ा था, लेकिन तीन बार सरकार दोबारा चुनी गई, जबकि चार बार सरकार सत्ता से बाहर हो गई। सात लोकसभा चुनावों में मतदान प्रतिशत में गिरावट आई, लेकिन चार बार सरकार हार गई और तीन बार सरकार दोबारा चुनी गई। इससे साफ पता चलता है कि मतदान का चुनावी नतीजों से कोई सीधा संबंध नहीं है। छत्तीसगढ़ में 2018 में 76.4: मतदान हुआ था, जिसकी तुलना में इस बार 76.1: मतदान दर्ज किया गया। इससे पहले, 2008 के विधानसभा चुनाव में वहां मतदान में 0.8: की मामूली गिरावट आई थी, लेकिन भाजपा सरकार फिर से चुन ली गई। लेकिन 2018 में जब लगभग इसी अनुपात में गिरावट आई तो भाजपा चुनाव हार गई। मध्य प्रदेश में, 1951 में हुए पहले विधानसभा चुनाव के बाद से दस विधानसभा चुनावों में अधिक मतदान हुआ। इनमें छह बार सरकार दोबारा चुनी गई, जबकि चार बार हार गई। हाल के विधानसभा चुनाव में 77.6: मतदान हुआ, जो 2018 के 74: मतदान की तुलना में अधिक है। राजस्थान में 1999 में 74.6: मतदान दर्ज किया गया था। उसके बाद से हुए विभिन्न विधानसभा चुनावों में से सात में मतदान बढ़ा, जबकि सात में इसमें गिरावट आई। सात बार जब मतदान बढ़ा तो तीन बार सरकार दोबारा चुनी गई जबकि चार बार सरकार बाहर हो गई। इसी तरह सात चुनावों में जब मतदान कम हुआ तो तीन बार सरकार ने वापसी की, जबकि चार बार उसे सत्ता से बाहर होना पड़ा। इन सबूतों के आधार पर क्या हम कह सकते हैं कि अधिक मतदान मतदाताओं के सत्ता–विरोधी मूड का संकेत है और कम मतदान सत्ता–समर्थक रुझान का? यकीनन नहीं। मतदान के बारे में कई तरह की अटकलें रहती हैं, लेकिन इनमें भी ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में हुए मतदान पर बहुत ध्यान दिया जाता है, जहां मुस्लिम, आदिवासी या दलित मतदाताओं की बड़ी संख्या हो। ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में उच्च मतदान–प्रतिशत को धर्म और जाति–समुदाय के आधार पर ध्रुवीकरण का संकेत माना जाता है। लेकिन निर्वाचन क्षेत्रवार मतदान का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने से पता चलता है कि ये भी महज धारणाएं हैं। जिन 50 विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या कुल मतदाताओं के 10: से अधिक है, उनमें से 18 में मतदान बढ़ा जबकि शेष 32 में मतदान कम हुआ। 2018 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 2023 में बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाताओं वाले विधानसभा क्षेत्रों में अधिक मतदान दर्ज करने का शायद ही कोई सबूत हो। यह भी आमराय है कि राजस्थान में इस बार आदिवासियों ने बड़ी संख्या में मतदान किया है क्योंकि बड़ी संख्या में आदिवासी मतदाताओं वाले क्षेत्रों में मतदान बढ़ा है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि राजस्थान में 20: से अधिक आदिवासी मतदाताओं वाले 20 विधानसभा क्षेत्रों में से 22 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान बढ़ा और 18 में मतदान कम हुआ। राजस्थान में दलित वोट को लेकर भी कमोबेश यही कहानी है। 20: से अधिक दलित मतदाताओं वाले 76 विधानसभा क्षेत्रों में से 30 में मतदान बढ़ा, जबकि शेष 46 में इस बार मतदान कम हुआ है। मतदान के ये आंकड़े हमें बताते हैं कि किसी धारणा से प्रभावित न हों, बल्कि उनके लिए सबूतों की तलाश करें। दूसरे, हमें राज्य स्तर पर मतदान के कुल आंकड़ों से या निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर मतदान के अलग–अलग आंकड़ों से किसी तरह के साहसी निष्कर्ष नहीं निकालने चाहिए। मतदान का आंकड़ा शायद ही इस बात का कोई स्पष्ट संकेत देता है कि चुनावी मुकाबले का संभावित परिणाम क्या हो सकता है। यह केवल इतना ही बताता है कि मतदाताओं ने इन चुनावों में रुचि दिखाई है या नहीं। विधानसभा चुनावों के हालिया दौर के मतदान से संकेत मिलता है कि मतदाताओं ने इन चुनावों में रुचि दिखाई है और इनमें उत्साहपूर्वक भाग लिया है। मतदान का अधिक या कम आंकड़ा शायद ही इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि चुनावी मुकाबले का संभावित परिणाम क्या हो सकता है।

बातचीत की सुंदरता शब्दों से है और यह धैर्य से आते हैं

शादियों का मौसम शुरू हो गया है, इस हफ्ते का एक घटनाक्रम है। उप्र के चित्रकूट में एक नई उम्र का लड़का शादी समारोह में आए मेहमानों को रोटियां परोस रहा था। एक युवती और एक अन्य मेहमान इससे पहले कहते कि बस अब हो गया, उसने आगे रहते हुए लड़की की प्लेट में एक रोटी परोस दी। यह देखकर लड़की उस पर चिल्ला पड़ी, 'ये क्या बदतमीजी है'। और इस एक शब्द ने ना सिर्फ शादी का अच्छा माहौल खराब कर दिया, बल्कि बाद में हुई कई और बहसों की भी वजह बना। ग्वालियर में रहने वाले दैनिक भास्कर के एक पाठक जितेंद्र गोयल इस शुक्रवार मुझे यह वाकिया बता रहे थे, इसी तरह का एक और अनुभव उन्होंने मुझसे साझा किया। शादियों के पहले मुहूर्त में ग्वालियर में एक समारोह में उनका एक महिला की साड़ी के पल्लू पर गलती से पैर पड़ गया। इससे पहले कि उन्हें अपनी गलती का अहसास होता, महिला मुड़ीं और बोलीं, 'अब क्या साड़ी फाड़ना भी बाकी है?' उन्होंने फिर पूरे विवाह समारोह में उन महिला से दूरी बनाए रखी, जिसने उनके और उनके परिवार का स्वाद फीका कर दिया था। जितेंद्र ने बताया कि उसी शादी में दो समूहों के बीच इस बात को लेकर गहमागहमी हो गई कि एक पत्र को क्या कहेंगे 'चिट्ठी या खत।' इस तरह की गहमागहमियां सिर्फ छोटे शहरों या आध्यात्मिक रूप से समृद्ध चित्रकूट तक सीमित नहीं है, दुनियाभर में लोग अपनी जुबान पर लगाम खोते जा रहे हैं। पिछले हफ्ते मुंबई का एक उदाहरण लें, जहां लेखक सिद्धार्थ सांघवी को अकासा एयरलाइन की एक कर्मचारी की शिकायत पर मुंबई एयरपोर्ट के पुलिस स्टेशन में चार घंटे हिरासत में रखा गया। मालूम पड़ा कि सांघवी ने टॉयलेट के नजदीक खड़े होकर उस महिला कर्मचारी को 'स्टूपिड पीपुल' कहा था। कहानी कुछ इस तरह है। गोवा से मुंबई जाते हुए संघवी ने विमान में टॉयलेट जाने की इजाजत मांगी, जिसे कोमल नाम की क्रू मेंबर ने मना कर दिया। इसके बाद वह दूसरे क्रू मेंबर के पास गए, जिसने कैप्टन से अनुमति मांगी और उन्होंने जाने की अनुमति दे दी। उन पर टॉयलेट का प्रयोग करते समय इस शब्द का प्रयोग करने का आरोप है, इसलिए कोमल ने पुलिस में शिकायत की। अब सांघवी ने अपनी ओर से उनके खिलाफ जवाबी शिकायत दर्ज कराई है कि जब वह टॉयलेट के अंदर थे तो उन्होंने यह शब्द कैसे सुना, जिसका मतलब है कि उन्होंने दरवाजा खोला और उनकी निजता में दखल दिया। दोनों पक्षों को सुनकर पुलिस ने इसे मामूली शिकायत बताया है और पूछताछ का वादा किया है। पर जरा सोचिए, इस सब प्रक्रिया में कितना वक्त बर्बाद हुआ होगा। आपको अच्छा लगे या ना लगे, लेकिन जब कोई बदला लेने की मानसिकता से कुछ कहता है, तो उस समय मुंह से निकले शब्द अप्रिय अहसास कराते हैं। लेकिन अगर कोई अपनी अधीरता, व्यवहार व भाषा (लिटरेचर भी) पर संयम रखें, तो शब्द शकर में पगे लगते हैं। जैसा मरहूम अभिनेता दिलीप कुमार साहेब कहा करते थे, 'जब बात करो तो लगना चाहिए कि आप के मुंह से फूल बरस रहे हैं, ना कि झाड़ू' हमारी बातचीत का लहजा किसी के कानों में संगीत की तरह पड़ना चाहिए। अच्छे शब्द सुनने से व्यक्ति गर्व करता है और इससे उनका लहजा–देहभाषा बदल जाती है, इससे पूरी बातचीत महक उठती है। पिछले कुछ वर्षों में आम बोलचाल भी बहुत जल्दी–जल्दी हो गया है, इससे कई लोगों का धैर्य जवाब दे जाता है।

उठाये गये कदमों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाया

प्रह्लाद सबनानी

ऐसा आभास है कि अकटोबर–नवम्बर में पड़ने वाले विभिन्न त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए जुलाई–सितम्बर 2023 तिमाही में ऑटोमोबाइल, फ्रिज, टीवी, मोबाइल फोन, आदि जैसे विभिन्न उत्पादों का भारी मात्रा में उत्पादन विनिर्माण इकाईयों द्वारा किया गया है। जिसके चलते इस तिमाही में विनिर्माण इकाईयों ने भारी भरकम 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। भारत में कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने भी रफ्तार पकड़ ली है, जिसके चलते इस क्षेत्र में आकर्षक 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर ली गई है। अक्टूबर 2023 माह में भी कोर क्षेत्र के उद्योगों ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के चलते देश के कई क्षेत्रों में मानसून की बारिश ठीक तरह से नहीं हो पाई है। इसका विपरीत प्रभाव कृषि क्षेत्र पर स्पष्टतरू पड़ता हुआ दिखाई दिया है। कृषि क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023–24 की द्वितीय तिमाही में केवल 1.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है, जोकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.5 प्रतिशत की रही थी।

वित्तीय वर्ष 2023–24 की द्वितीय तिमाही, जुलाई–सितम्बर 2023 के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के आंकड़े भारत सरकार द्वारा जारी कर दिए गए हैं। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर विभिन्न वित्तीय संस्थानों द्वारा लगाए गए अनुमानों से बहुत ऊपर रही है। विभिन्न अर्थशास्त्रियों द्वारा दिए गए 6.8 प्रतिशत के अनुमान से बहुत अधिक अर्थात यह वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत की रही है, जबकि वित्तीय वर्ष 2022–23 की द्वितीय तिमाही में 6.2 प्रतिशत की रही थी। भारत में इस वर्ष द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में दर्ज की गई वृद्धि की तुलना में अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में तिमाही के दौरान वृद्धि दर बहुत कम रही है। फिलिपींस में 5.9 प्रतिशत, रूस में 5.5 प्रतिशत, वियतनाम में 5.33 प्रतिशत, अमेरिका में 5.2 प्रतिशत, चीन में 4.9 प्रतिशत, मलेशिया में 3.3 प्रतिशत, थाईलैंड में 1.5 प्रतिशत, ब्रिटेन में 0.6 प्रतिशत, यूरो क्षेत्र में 0.1 प्रतिशत, जर्मनी में रिणात्मक 0.4 प्रतिशत एवं जापान में रिणात्मक 2.1 प्रतिशत वृद्धि दर दर्ज की गई है। इस प्रकार भारत पूरे विश्व में लगातार सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हर्ष का विषय तो यह है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में जुलाई–सितम्बर 2023 तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर में मुख्य योगदान उद्योग क्षेत्र का रहा है। भारत के उद्योग क्षेत्र ने इस दौरान 13.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है, जोकि हाल ही के समय में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। वित्तीय वर्ष 2022–23 की द्वितीय तिमाही, जुलाई–सितम्बर 2022 के दौरान उद्योग क्षेत्र ने रिणात्मक 0.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी। उद्योग क्षेत्र के अंतर्गत, विनिर्माण क्षेत्र ने 13.9 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान रिणात्मक 3.8 प्रतिशत थी। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र ने 10.1 प्रतिशत की वृद्धि दर, माइनिंग क्षेत्र ने 10 प्रतिशत, कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने 13.3 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है। इन समस्त क्षेत्रों में रिकार्ड वृद्धि दर से भारत में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हुए हैं, जिसके चलते बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में प्रत्येक वर्ष अक्टूबर–नवम्बर माह में दीपावली एवं अन्य कई महत्वपूर्ण त्यौहारों का मौसम रहता है। इन त्यौहारों के दौरान भारत के नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों की भारी मात्रा में खरीददारी की जाती है। ऐसा आभास है कि अकटोबर–नवम्बर में पड़ने वाले विभिन्न त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए जुलाई–सितम्बर 2023 तिमाही में ऑटोमोबाइल, फ्रिज, टीवी, मोबाइल फोन, आदि जैसे विभिन्न उत्पादों का भारी मात्रा में उत्पादन विनिर्माण इकाईयों द्वारा किया गया है। जिसके चलते इस तिमाही में विनिर्माण इकाईयों ने भारी भरकम 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। भारत में कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने भी रफ्तार पकड़ ली है, जिसके चलते इस क्षेत्र में आकर्षक 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर ली गई है। अक्टूबर 2023 माह में भी कोर क्षेत्र के उद्योगों ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के चलते देश के कई क्षेत्रों में मानसून की बारिश ठीक तरह से नहीं हो पाई है। इसका विपरीत प्रभाव कृषि क्षेत्र पर स्पष्टतरू पड़ता हुआ दिखाई दिया है। कृषि क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023–24 की द्वितीय तिमाही में केवल 1.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है, जोकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.5 प्रतिशत की रही थी। भारत में कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिये जाने की अत्यधिक आवश्यकता है क्योंकि रूस–यूक्रेन युद्ध के चलते पूरे विश्व में ही खाद्य उत्पादों की भारी कमी महसूस की जा रही है। भारत, इस स्थिति का लाभ उठा सकता है एवं पूरे विश्व को ही खाद्य पदार्थों की आपूर्ति कर सकता है। रबी मौसम की बुआई का कार्य प्रगति पर है। यदि खाद्य पदार्थों की बुआई के क्षेत्रफल में भारी विस्तार किया जा सके तो खाद्य पदार्थों के उत्पादन में भारी वृद्धि की जा सकती है। आज पूरा विश्व ही खाद्य पदार्थों के लिए भारत की ओर टकटकी लगाए है एवं आशाभरी नजरों से भारत की ओर देख रहा है। वित्तीय वर्ष 2023–24 की द्वितीय तिमाही में सेवा क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई वृद्धि दर ने जरूर निराश किया है। इस दौरान सेवा क्षेत्र ने 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज की गई वृद्धि दर 9.4 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। इस वर्ष द्वितीय तिमाही में हासिल की गई वृद्धि दर से आश्चर्य भी हुआ है क्योंकि विभिन्न बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों में वृद्धि दर लगातार दहाई के आंकड़े पर बनी हुई है, होटल लगातार अपनी स्थापित क्षमता का भरपूर उपयोग करते हुए दिखाई दे रहे हैं, रेलवे एवं हवाई जहाज का उपयोग भी लगातार उच्चत्तम स्तर पर बना हुआ है। फिर भी, वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र ने 6 प्रतिशत एवं व्यापार एवं होटल क्षेत्र ने 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इसी प्रकार निजी क्षेत्र में अंतिम उपभोग में भी केवल 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। भारत को यदि शीघ्र ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना है तो भारत के निजी क्षेत्र के लिए अपने उपभोग में वृद्धि करना अब आवश्यक हो गया है। यह तो सरकारी क्षेत्र के अंतिम उपभोग में भारी भरकम 12.4 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई है, एवं केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में भारी भरकम वृद्धि रही है जिसके चलते देश में पूंजी निर्माण में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जो अंततः इस तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने के पीछे मुख्य कारक बन गया है। आगे आने वाले समय में लोक सभा चुनावों को देखते हुए सम्भवतरू केंद्र सरकार के अंतिम उपभोग में और अधिक वृद्धि होने की सम्भावना है एवं इस दौरान केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय भी अभी और तेजी से बढ़ेगा जिसके कारण वित्तीय वर्ष 2023–24 की तृतीय एवं चतुर्थ तिमाही में भी सकल घरेलू उत्पाद में आकर्षक वृद्धि दर रहने की भरपूर सम्भावना है। साथ ही, इस वर्ष नवम्बर 2023 माह में दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के चलते लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दर्ज हुआ है तथा देश में विभिन्न तीर्थ स्थलों पर भारी मात्रा में भारतीय नागरिक धार्मिक पर्यटन करते हुए दिखाई दे रहे हैं और आगे आने वाले माह में देश में शादियों के मौसम के चलते भी नागरिकों के खर्च में भारी भरकम वृद्धि होगी, इसका प्रभाव, तृतीय तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर पर भी देखने को मिलेगा। कुल मिलाकर भारतीय सनातन संस्कृति के पालन (धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए जाते भारतीय, विभिन्न भारतीय त्यौहारों को बड़े उत्साह से मनाते भारतीय) से भी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के बाद अब द्वितीय तिमाही में भी 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी है। अब तो पूरा विश्व ही आश्चर्य कर रहा है भारत विभिन्न उत्पादों के लिए अपनी आंतरिक मांग के आधार पर अपने सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि दर हासिल कर रहा है एवं इस दृष्टि से भारत की विदेशी व्यापार पर निर्भरता बहुत ही कम है। ऐसा आभास है कि अकटोबर–नवम्बर में पड़ने वाले विभिन्न त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए जुलाई–सितम्बर 2023 तिमाही में ऑटोमोबाइल, फ्रिज, टीवी, मोबाइल फोन, आदि जैसे विभिन्न उत्पादों का भारी मात्रा में उत्पादन विनिर्माण इकाईयों द्वारा किया गया है। जिसके चलते इस तिमाही में विनिर्माण इकाईयों ने भारी भरकम 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। भारत में कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र ने भी रफ्तार पकड़ ली है, जिसके चलते इस क्षेत्र में आकर्षक 13.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर ली गई है। अक्टूबर 2023 माह में भी कोर क्षेत्र के उद्योगों ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव के चलते देश के कई क्षेत्रों में मानसून की बारिश ठीक तरह से नहीं हो पाई है। इसका विपरीत प्रभाव कृषि क्षेत्र पर स्पष्टतरू पड़ता हुआ दिखाई दिया है।

मुंबई हमले के डेढ़ दशक बाद भी अल्प-विकसित है हमारी शहरी निगरानी व्यवस्था

पर भारत में हम तैयारी से कोसों दूर नजर आते हैं। हमारे शहरों ने, कम से कम मेट्रो शहरों ने अभी तक इसका अनुसरण क्यों नहीं किया? जबकि आज लगभग सभी सुरक्षा जरूरतों के लिए तकनीकी समाधान उपलब्ध हैं। मुंबई के गृह मंत्रालय और पुलिस विभाग ने किस तरह तटीय सुरक्षा के प्रति पूर्णतः गैर–पेशवर रुख दिखाया है, इसकी एक ताजा रिपोर्ट देखिए। कथित रूप से पिछले तीन वर्षों में मुंबई पुलिस ने मुंबई के तटीय इलाकों की सुरक्षा के लिए 46 नावें खरीदीं, लेकिन आज उनमें से मात्र आठ नावें ही काम कर रही हैं। पाकिस्तान द्वारा मुंबई को लक्ष्य के रूप में चुनने का एक कारण पूरे मुंबई में तैयारियों की दयनीय स्थिति थी। इसने भारत की बहुत खराब छवि पेश की और इसके पुलिस बल पॉइंट 303 बोल्ट ऐक्शन राइफल भी चलाने में असमर्थ थे, एके 47 या 56 तो दूर की बात थी।

मारूफ रजा

पंद्रह साल पहले मुंबई में हुए 26ध्11 के आतंकी हमले ने भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान को स्तब्ध कर दिया था। जिस दुस्साहस के साथ उसे अंजाम दिया गया था, उससे बाकी भारत असहाय और अनिर्णय की स्थिति में दिखने लगा था। लेकिन पंद्रह साल बाद भी पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान को कठघरे में लाने में भारत विफल रहा है, जबकि अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों ने आतंकवादी कार्रवाइयों के खिलाफ प्रतिबंधों का समर्थन किया था। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों पर पाकिस्तान को समर्थन उसे अभियोजन से बचाता है, क्योंकि पश्चिम असहाय रहता है। आतंकी हमलों का इस्तेमाल पाकिस्तान की विदेश नीति का विश्वसनीय हिस्सा है, जिसे वह नहीं छोड़ेगा। उरी एवं बालाकोट हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक के बावजूद यह भारत की चिंता का विषय है। आतंकवाद के खिलाफ सफल खुफिया ऑपरेशन वास्तव में रक्षा के लिए पहली जरूरत है और ऐसे संभावित खतरों को रोकने के लिए हमारी खुफिया एजेंसियों की सराहना की जानी चाहिए। लेकिन क्या हम उन स्थितियों से निपटने के लिए गंभीरता से तैयारी कर रहे हैं, जो हमें आतंकी हमलों से बचा सकती है, और क्या हम पाकिस्तान से आ रहे अशुभ बादलों को देख पा रहे हैं? यह रुका नहीं है, जैसा कि हमने हाल ही में देखा कि नियंत्रण रेखा के उस पार से हमले हो रहे हैं। बार–बार हो रहे ये आतंकी हमले अशुभ संकेत हैं। आत्मघाती हमलों के लिए उपयोग की जा रही ये तकनीकें भविष्य में भी हमलों के लिए मॉडल प्रदान करती हैं। वास्तव में 26ध्11 हमले के बाद से पश्चिमी सरकारों (यहां तक कि अमेरिका और ब्रिटेन तक) ने शहरी ठिकानों पर हमले के लश्कर के श्मुंबई टैम्पलेटश का विस्तार से विश्लेषण किया, प्रोटोकॉल तैयार किए और अपनी प्रतिक्रिया (जवाबी कार्रवाई) का पूर्वाभ्यास किया। पर भारत में हम तैयारी से कोसों दूर नजर आते हैं। हमारे शहरों ने, कम से कम मेट्रो शहरों ने अभी तक इसका अनुसरण क्यों नहीं किया? जबकि आज लगभग सभी सुरक्षा जरूरतों के लिए तकनीकी समाधान उपलब्ध हैं। मुंबई के गृह मंत्रालय और पुलिस विभाग ने किस तरह तटीय सुरक्षा के प्रति पूर्णतः गैर–पेशवर रुख दिखाया है, इसकी एक ताजा रिपोर्ट देखिए। कथित रूप से पिछले तीन वर्षों में मुंबई पुलिस ने मुंबई के तटीय इलाकों की सुरक्षा के लिए 46 नावें खरीदीं, लेकिन आज उनमें से मात्र आठ नावें ही काम कर रही हैं। पाकिस्तान द्वारा मुंबई को लक्ष्य के रूप में चुनने का एक कारण पूरे मुंबई में तैयारियों की दयनीय स्थिति थी। इसने भारत की बहुत खराब छवि पेश की और इसके पुलिस बल पॉइंट 303 बोल्ट ऐक्शन राइफल भी चलाने में असमर्थ थे, एके 47 या 56 तो दूर की बात थी। अफसोस की बात है कि जो लोग पुलिस में भर्ती होते हैं, उन्हें आतंकियों या विद्रोहियों से लड़ने में दिलचस्पी नहीं है। वे ट्रैफिक चालान काटने में ही सक्षम हैं। इससे कसाब जैसे आतंकवादी को डर नहीं लगेगा। सबसे बड़ी बात है कि जब दुनिया भर में आतंकवाद से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है, तब हमारे शहरों की निगरानी व्यवस्था अल्प–विकसित बनी हुई है। जैसा कि मुंबई की जंग खा रही नावों के साथ हुआ है, पूरे देश में पुलिस विभाग अपने राजनीतिक आकाओं को तब तक नए उपकरणों की मंजूरी के लिए कहती रहती हैं, जब तक वे भी सड़ न जाएं। जो भी थोड़ी–सी नावें बची हैं, वे मुश्किल से काम करती हैं।

पुलिस में प्रशिक्षण एवं उपकरणों के रख–रखाव की अवधारणा सशस्त्र बलों से अलग है, जो कि पुराने उपकरणों से भी सबसे बुरी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहते हैं। राज्यों की राजधानियों में हाई–टेक पुलिस कमांड सेंटर बनते हैं और मंत्रियों को दिखाया जाता है, जो फिर घर जाकर आराम से सोते हैं। लेकिन बीट कॉन्स्टेबल को अक्सर अकेले बिना वॉकी–टॉकी के लाठी के सहारे हमारे शहरों और लोगों की सुरक्षा के लिए छोड़ दिया जाता है। हालांकि कुछ सीमाएं हैं। राज्य पुलिस का बजट बेहद अपर्याप्त है, जिससे मुश्किल से ही पुलिस का खर्च निकल पाता है। इसमें मुख्यमंत्रियों का भी दोष है। पुलिस आधुनिकीकरण लगभग पूरी तरह से केंद्र सरकार के अनुदान पर निर्भर है। दूसरी समस्या यह है कि हम केंद्रीय आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को बढ़ाकर ऊपर से नीचे की ओर समाधान थोपना चाहते हैं, जबकि सांविधानिक एवं कानूनी ढांचा पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था को राज्य की जिम्मेदारी बताता है। इस प्रकार राज्य पुलिस बल आतंकवादी हमलों सहित सभी प्रकार के अपराधों की रोकथाम करने, पता लगाने, पूर्व–निवारण और फिर निष्प्रभावी करने और जांच करने के लिए प्राथमिक तंत्र है। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) अपने चार क्षेत्रीय केंद्रों और दिल्ली स्थित मुख्यालय से कितने शहरों में समय पर सक्रिय हो सकता है? वे स्वीकार करते हैं कि वे ऐसा नहीं कर सकते। इस पर भी विचार करें कि एक शहर के भीतर कई जगहों पर हमला हो सकता है। अगर जवाब अपरिष्कृत रेडियोलॉजिकल उपकरण (जिसे वे गंदा बम कहते हैं) से देना हो, तो स्थिति समझी जा सकती है। मान लीजिए कि एनएसजी इकाइयां भारी अभियान, एयरलिफ्ट क्षमताओं और खाली सड़कों के साथ आगे बढ़ती हैं, तब भी क्या हम असहाय नागरिकों पर विशेष रणनीति के तहत हमला करने वाले उच्च प्रशिक्षित आतंकवादियों के समक्ष शुरुआती कुछ घंटे समर्पण का जोखिम उठा सकते हैं? वैसी स्थिति में मुंबई की तरह 60 घंटे तक बंधक बने रहने की घटना दोहराई जा सकती है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मारे जाएंगे और लाखों लोग परोक्ष रूप से पीड़ित होंगे, क्योंकि वे अपने टीवी स्क्रीन से चिपके रहेंगे। आतंकवादी बिल्कुल यही चाहते हैं। यदि आतंकवादियों को शुरुआती लाभ से वंचित करना है, तो स्थानीय पुलिस और थानों को इस सामरिक जिम्मेदारी के लिए उपकरणों एवं प्रशिक्षण से सुसज्जित कर तैयार करना होगा। दिल्ली में आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को विवेकपूर्ण ढंग से बढ़ाया जाना चाहिए, उनकी प्रभावकारिता का परीक्षण किए बिना केंद्रीय अधिकारों का विस्तार करने से बचना चाहिए। हमें अपने राज्य पुलिस बलों में किसी आतंकवादी हमले पर प्रारंभिक मुकाबले के लिए भी अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से राज्य सरकारों को उठानी चाहिए। पर भारत में हम तैयारी से कोसों दूर नजर आते हैं। हमारे शहरों ने, कम से कम मेट्रो शहरों ने अभी तक इसका अनुसरण क्यों नहीं किया? जबकि आज लगभग सभी सुरक्षा जरूरतों के लिए तकनीकी समाधान उपलब्ध हैं। मुंबई के गृह मंत्रालय और पुलिस विभाग ने किस तरह तटीय सुरक्षा के प्रति पूर्णतः गैर–पेशवर रुख दिखाया है, इसकी एक ताजा रिपोर्ट देखिए। कथित रूप से पिछले तीन वर्षों में मुंबई पुलिस ने मुंबई के तटीय इलाकों की सुरक्षा के लिए 46 नावें खरीदीं, लेकिन आज उनमें से मात्र आठ नावें ही काम कर रही हैं। पाकिस्तान द्वारा मुंबई को लक्ष्य के रूप में चुनने का एक कारण पूरे मुंबई में तैयारियों की दयनीय स्थिति थी। इसने भारत की बहुत खराब छवि पेश की और इसके पुलिस बल पॉइंट 303 बोल्ट ऐक्शन राइफल भी चलाने में असमर्थ थे, एके 47 या 56 तो दूर की बात थी। अफसोस की बात है कि जो लोग पुलिस में भर्ती होते हैं, उन्हें आतंकियों या विद्रोहियों से लड़ने में दिलचस्पी नहीं है। वे ट्रैफिक चालान काटने में ही सक्षम हैं। इससे कसाब जैसे आतंकवादी को डर नहीं लगेगा।

अगर वक्त मिलता तो इतिहास भी बदल जाता

तीन दिसंबर, 1971 की भोर को पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी वायु ठिकानों पर जबर्दस्त हवाई हमला बोल दिया था। उसी के साथ भारत–पाक का युद्ध प्रारंभ हो गया, जिसकी परिणति 16 दिसंबर को ढाका में पाकिस्तान की पूर्वी सेना के कमांडर जनरल नियाजी और उनके साथ 93 हजार सैनिकों के ऐतिहासिक आत्मसमर्पण में हुई। भारत के लिए आजादी के बाद के इतिहास का वह महानतम क्षण था, जब हमने दक्षिण एशिया का मानचित्र बदला था। जब पाकिस्तान का आक्रमण हुआ, तब तक हमारी सेना मुक्ति वाहिनी के साथ मिलकर अपनी कार्रवाई प्रारंभ कर चुकी थी। वह मुक्ति वाहिनी हमारी सेना के जनरलों की रणनीति की उपज थी। भारतीय सेना परंपरागत रणनीति के विपरीत मुख्य रास्तों को छोड़कर पाकिस्तानी मोर्चों को बाइपास करती हुई तीन दिशाओं से आगे बढ़ती गई। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की अपेक्षा थी कि पाक सेना द्वारा 25 मार्च को बंगालियों पर किए गए हिंसक क्रैकडाउन के बाद हमारी सेना तत्काल कार्रवाई प्रारंभ कर दे। लेकिन जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) मानेक शॉ ने कैबिनेट को साफ शब्दों में मना कर दिया कि अभी हम न तो रणनीतिक दृष्टि से और न सैन्य साजो–सामान की दृष्टि से तैयार हैं। धनाभाव के कारण हमारे टैंकों की सर्विसिंग तक नहीं हो सकी थी। स्टोरेज की सुविधाएं भी नहीं थीं। जनरल का कहना था कि सेना का मूवमेंट होते–होते बरसात आ जाएगी, अभी चीन के दखल का खतरा है, इसलिए हमें हिमालय के दर्रों पर बर्फ पड़ने तक इंतजार करना पड़ेगा। जनरल के तर्कों को मानना पड़ा। बहरहाल, सेना ने अपनी तैयारियां प्रारंभ कीं। इंदिरा जी की ओर से सवाल आया कि इस बीच हम क्या कुछ कर सकते हैं। तब जनरल के मस्तिष्क में भारतीय सेना द्वारा प्रशिक्षित बंगालियों की गुरिल्ला फोर्स का विचार आया। इस तरह मुक्ति वाहिनी का जन्म हुआ। उस समय हमारे पास आज के आधुनिक अस्त्र–शस्त्र नहीं थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के जमाने का तोपखाना व 25 पाउंडर तोपें और छोटी माउंटेन तोपें ही थीं। फिर भी सेना का आदर्श ऊंचा था। विश्व में सब ओर पाक सेना द्वारा किए जा रहे भीषण नरसंहार के समाचार जा रहे थे। लेकिन नैतिकता व मानवीयता के आधार पर वैश्विक समर्थन हमारे साथ नहीं था। जब युद्ध शुरू हुआ, तो सिर्फ तत्कालीन सोवियत संघ का समर्थन मिला था। उससे हमने मित्रता की संधि की। अमेरिकी रुख अत्यंत निराशाजनक था। भारत पर दबाव बनाने के लिए उसने अपना सातवां बेड़ा बंगाल की खाड़ी में भेज दिया था। लेकिन सेना अपने अभियान में लगी हुई थी। टांगाइल में कमांडो सैनिकों के पैराड्रॉप ने बड़ा समाचार बनाया। पाकिस्तानी सैनिकों का साहस जवाब देने लगा था। ढाका प्रवेश पर भारतीय सेना का जो स्वागत हुआ था, लोग बताते हैं कि आजादी के उस भाव को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। दुनिया के इतिहास में विजेताओं का ऐसा स्वागत कम ही हुआ होगा। नए देश में पाकिस्तानियों के लिए जबर्दस्त घृणा थी, क्योंकि उन्होंने 30 लाख बंगालियों की नृशंस हत्या की, ढाका विश्वविद्यालय में बुद्धिजीवियों को चुन–चुनकर मारा, महिलाओं से दरिंदगी की। अब वे सब हथियार डालकर कैंपों में कैदी थे। यदि 16 दिसंबर, 1971 की उपलब्धियों को उनके असल अंजाम तक ले जाया गया होता, तो पाकिस्तानी हुक्मरानों का यह साहस न होता कि वह कभी कह सकते कि हमारे पास एटम बम है। निक्सन–किसिंजर चिंतित थे कि कहीं बांग्लादेश के बाद भारत पश्चिम में पलट कर पाकिस्तान को निशाना न बना ले। अमेरिकी प्रशासन ने इंदिरा गांधी पर इतना दबाव बनाया कि उस लौह महिला को पश्चिमी कमान को रक्षात्मक युद्धनीति का आदेश देना पड़ा। जनरल मानेक शॉ ने उसका घोर विरोध किया था। सोचता हूं कि यदि नियाजी का आत्मसमर्पण 16 दिसंबर के बजाय 25 दिसंबर को हुआ होता, तो संभवतः हम कश्मीर के एक बड़े हिस्से को आजाद करा चुके होते। तब चीन–पाकिस्तान का जमीनी संपर्क न रह जाता और संपूर्ण रणनीतिक परिदृश्य बदल चुका होता...! वह युद्ध एक महान विजय के साथ अधूरा–सा इतिहास लिखकर ही समाप्त हो गया, अपनी पूर्णता तक नहीं पहुंचा। –पूर्व सैनिक, पूर्व आईएएस। ढाका प्रवेश पर भारतीय सेना का जो स्वागत हुआ था, लोग बताते हैं कि आजादी के उस भाव को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। दुनिया के इतिहास में विजेताओं का ऐसा स्वागत कम ही हुआ होगा। नए देश में पाकिस्तानियों के लिए जबर्दस्त घृणा थी, क्योंकि उन्होंने 30 लाख बंगालियों की नृशंस हत्या की, ढाका विश्वविद्यालय में बुद्धिजीवियों को चुन–चुनकर मारा, महिलाओं से दरिंदगी की।

फेड प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कार्यालय का हुआ शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर खुटहन में किसानों की समृद्धि के लिए फेड प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कार्यालय का शुभारंभ हुआ। सोमवार को कोर्डिनेटर गिरीश कुमार सिंह ने फीता काट कर कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यहां फेड कार्यालय खुलने से किसानों को खाद, बीज, दवा सुगमता से मिलने में मदद मिलेगी। सरकार की ओर से किसानों के लिए चलाई गई योजनाओं का लाभ मिलेगा। कंपनी के डायरेक्टर राजनाथ यादव ने सभी का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर स्टेट कोआर्डिनेटर गिरीश कुमार सिंह, सीईओ ममता यादव, एकाउंटेंट विकास चंद यादव, डायरेक्टर विनय कुमार सिंह, लालमन सिंह, शारदा देवी मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनक कुमारी इंटर कॉलेज में परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रतियोगिता आयोजित की गई । प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव संभागीय निरीक्षक परिवहन विभाग रहे ।प्रतियोगिता में माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक छात्र–छात्राओं ने प्रतिभा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम के नोडल श्री प्रभाकर सिंह प्रधानाचार्य राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भकुरा ने किया ।जनक कुमारी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर जंग बहादुर सिंह ने आये हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर सुभाष सिंह की गरिमामयी उपस्थित भी रही। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में श्री अजय कुमार तिवारी नगर पालिका इंटर कॉलेज ,मोहम्मद रजा खान आर डी एम शिया इंटर कॉलेज ,श्रीमती गरिमा सिंह राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जौनपुर रहे ।कार्यक्रम में क्विज, भाषण और पोस्टर प्रतियोगिता सड़क सुरक्षा विषय पर आयोजित की गई। जिसमें भाषण प्रतियोगिता में कृष्णा सिंह प्रथम ग्राम विकास इंटर कॉलेज खुटहन, अनिका वसीम साजिदा इण्टर कॉलेज द्वितीय ,समरीन फियर शीया इण्टर कॉलेज तृतीय ,क्विज प्रतियोगिता में प्रभात यादव जनक कुमारी इंटर कॉलेज के प्रथम ,सत्यम यादव ग्राम विकास इंटर कॉलेज खुटहन के द्वितीय, अब्बास हैदर आर डी एम इंटर कॉलेज के तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में जनक कुमारी इंटर कॉलेज के सुदीप कुमार प्रथम ,साजिदा गर्ल्स इंटर कॉलेज की सुमौरह फातिमा द्वितीय और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की अनामिका यादव तृतीय रही। छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए प्रधानाचार्य डॉक्टर जंग बहादुर सिंह ने कहा कि किसी एक प्रतियोगिता में असफल हो जाने से अपना उत्साह कम नहीं होने देना चाहिए, उन्होंने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके साहस एवं धैर्य का अनुसरण करने के लिए छात्र–छात्राओं को प्रेरित किया। डॉक्टर सुभाष सिंह ने भी बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें इस तरह के प्रतियोगिताओं में प्रतिभा करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जनक कुमारी इंटर कॉलेज सहित प्रतिभागी विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाएं मौजूद रहे, जिसमें विजेंद्र प्रसाद, प्रतिमा विश्वकर्मा, मोहम्मद जकरिया ,तेज बहादुर प्रजापति व अन्य अध्यापक अध्यापिकाएं रहे ।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के अध्यापक एवं विज्ञान क्लब के समन्वयक विपनेश कुमार श्रीवास्तव ने किया।

फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा बना रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट और ऑगमेंटेड रियलिटी को एकीकृत कर घुटने की सर्जरी करने वाला दिल्ली एनसीआर और यूपी का पहला हॉस्पिटल

- अल्ट्रा मॉडर्न मेडिकल टेक्नोलॉजी नी प्लस के उपयोग से फोर्टिस अस्पताल नोएडा में हुई नी रिप्लेसमेंट की सफलतापूर्वक जटिल सर्जरी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नोएडा। फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा ने दिल्लीध्एनसीआर और उत्तर प्रदेश ने एक बड़ी मेडिकल उपलब्धि हासिल की है। फोर्टिस हॉस्पिटल ने घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट और ऑगमेंटेड रियलिटी को सफलतापूर्वक एकीकृत करते हुए इस क्षेत्र में नया आयाम स्थापित किया है। यह अभूतपूर्व प्रक्रिया 69 वर्षीय मरीज श्रीमती हीरा देवी के घुटनों के रिप्लेसमेंट के लिए की गई, जो गंभीर बाईलेटरल ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित थीं। उनका दाहिना घुटना बाएं से अधिक गंभीर रूप से प्रभावित हो चुका था।

फोर्टिस अस्पताल, नोएडा में ऑर्थोपेडिक्स विभाग के डायरेक्टर और हेड डॉ. अतुल मिश्रा ने इस अभूतपूर्व सर्जरी में सर्जिकल टीम का नेतृत्व किया और पिक्सी ऑगमेंटेड रियलिटी सिस्टम का इस्तेमाल किया। फ्रांस की यह अत्याधुनिक तकनीक आर्थोपेडिक सर्जरी में पहले के मुकाबले ज्यादा सटीकता और न्यूनतम रूप से इनवेसिव प्रक्रियाओं की सुविधा प्रदान करती है।इस तकनीक नी प्लस का उपयोग संपूर्ण घुटने के आथ्रीप्लास्टी ऑपरेशन के दौरान किया जाता है, यह आर्थोपेडिक सर्जनों को ऑगमेंटेड रियलिटी वाले चश्मे की मदद से प्रत्यारोपण की स्थिति के लिए इंट्राऑपरेटिव सहायता प्रदान करता है।

डॉ. मिश्रा ने कहा, ष्श्रीमती देवी की स्थिति की जटिलता, विशेष रूप से उनके दाहिने घुटने में गंभीर विकृति, एक बड़ी चुनौती थी। उनके इलाज में अतिरिक्त प्रत्यारोपण और व्यापक सर्जरी की आवश्यकता के कारण पारंपरिक घुटने रिप्लेसमेंट विधियां कम प्रभावी और अधिक महंगी साबित होतीं। पिक्सी सिस्टम के साथ, हमने सर्जरी के लिए आवश्यक सभी चीजों को आसानी से व्यवस्थित करते हुए हड्डी और नरम ऊतक पर कम से कम कांट छांट की, जिससे मरीज के लिए तेजी से और कम दर्द भरी रिकवरी सुनिश्चित हुई।

डॉ. मिश्रा ने आगे कहा, ष्यह ऑपरेशन न केवल फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा के लिए पहला है बल्कि भारत में आर्थोपेडिक सर्जरी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। जोड़ों के रिप्लेसमेंट में रोबोटिक सटीकता को ऑगमेंटेड रियलिटी वाली टेक्नोलॉजी के साथ इंटीग्रेट करके सर्जरी करना एक गेम–चेंजर है। यह रोगियों के लिए सुरक्षा, प्रभावी इलाज और तेज रिकवरी प्रदान करता है।

फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा के अस्पताल निदेशक श्री मोहित सिंह ने कहा, ष्फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा मेडिकल इनोवेशन के मामले में हमेशा सबसे आगे रहा है और यह सर्जरी उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस तरह की जटिल और तकनीकी रूप से उन्नत सर्जरी करने वाला भारत में पहला हॉस्पिटल होना हमारे लिए न केवल एक उपलब्धि है बल्कि हमारे देश में चिकित्सा विज्ञान के लिए भी एक बड़ा मुकाम है। हम अपने मरीजों को नई से नई मेडिकल टेक्नोलॉजी और उपचार के विकल्पों को पेश करने में गौरवान्वित महसूस करते हैं। फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा में की गई यह अग्रणी सर्जरी न केवल भारत में आर्थोपेडिक देखभाल में एक नया मानक स्थापित करती है बल्कि अस्पताल के अपने मरीजों के लिए सर्वोत्तम संभव परिणाम प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने के प्रति समर्पण को भी प्रदर्शित करती है।

मंडलीय समन्वयक ने किया मध्यान भोजन की गुणवत्ता की जांच

प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर का किया निरीक्षण, व्यवस्था से हुई प्रसन्न।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मंडलीय कोऑर्डिनेटर एमडीएम कनिका जैन झिंगरन ने सोमवार को प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर के मध्यान भोजन की गुणवत्ता की जांच करने के साथ विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का हाल जाना।

विद्यालय में उत्कृष्ट एमडीएम सामग्री, रसोइयों व किचन की साफ सफाई देखकर सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने सभी कक्षा कक्ष में जाकर छात्रों से खूब सवाल जवाब कर बच्चों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने भौतिक परिवेश व गुणवत्तापरक शिक्षा देख कर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमित सिंह व शिक्षकों की जमकर प्रशंसा की। सबसे पहले कक्षा दो में पहुंची वहाँ उन्होंने बच्चों से पूछा कि आपके सहयोगी कौन कौन है और कैसे सहयोग करते है। बच्चों ने किसान, कुम्हार, शिक्षक इत्यादि के बारे में बेबाकी से जवाब दिया। इसी तरह कक्षा तीन में कुछ बच्चों से किताब पढ़वाया तो कुछ से पहाड़ा पूछा। बच्चों ने वहाँ भी बहुत बेबाकी से जवाब दिया। इसके बाद कक्षा चार के बच्चों से उन्होंने सोलर सिस्टम के बारे में, संस्कृत के श्लोक के बारे में पूछा।सभी बच्चों ने हाथ उठाया जिस बच्चे से उन्होंने पूछा तो उसका जवाब दिए। इसी तरह कक्षा पांच के शिवम, मानवी से पहाड़ा पूछा। फिर कई बच्चों से प्रश्न किया किया कि क्या बनना चाहते हो, बनने के बाद कैसे काम करोगे तो बच्चों ने बेझिझक होकर जवाब दिया। इसके अलावा सभी कक्षा के बच्चों ने हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत की कविता सुनाई। डिस्कवरी लैब को उन्होंने देखा वहां पर दिव्यांशु गौड़ ने सूर्यग्रहण, चंद्रग्रहण व मानवी प्रजापति ने कंकाल तंत्र के बारे में बताया। उनके साथ डीसी एमडीएम अरुण मौर्य व संतोष कुमार बाजपेयी भी थे। अंत मे विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमित सिंह व विद्यालय के शिक्षकों मंजू जैसवार नेहा जायसवाल श्यामधर यादव गजाला बानो आराधना उपाध्याय मनोज कुमार व माधुरी सिंह द्वारा सभी को अंगवस्त्रम प्रदान किया गया।

सवायजपुर चर्चित लूट कांड का खुलासा : तीन गिरफ्तार, सोने चांदी के आभूषण ,नगदी अवैध तमंचा सहित बाइक बरामद

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। पुलिस अधीक्षक केशव चंद गोस्वामी व एडिशनल एसपी दुर्गेश कुमार सिंह व सीओ अंकित मिश्रा के निर्देशन में कोतवाल डीके सिंह के नेतृत्व में सवायजपुर पुलिस ने चर्चित सराफा वेबसाइट से हुई लूट का खुलासा किया। पुलिस अधीक्षक केशव चंद गोस्वामी में खुलासा करते हुए बताया कि शातिर लुटेरों के गैंग का भांडाफोड कर 03 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटे हुये आभूषण, लूट की मोटरसाइकिल, नगदी व 02 अवैध शस्त्र बरामद किए गए। आर्यन यादव पुत्र रावेन्द्र सिंह निवासी मेन मार्केट , कैफियात पुत्र फारुख निवासी पुराने अस्पताल के पास अफरोज उर्फ फाइटर पुत्र मोमीन पुराने अस्पताल के पास कस्बा व थाना हरपालपुर चौधरियापुर घोड़ीथर के पास पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है है। थाना सवायजपुर में उमेश यादव पुत्र स्व० रामस्वरुप निवासी ग्राम औहदपुर से अपनी मोटरसाइकिल पर कस्बा सवायजपुर स्थित अपनी सर्राफ की दुकान पर जाते समय ग्राम हडहा थाना सवायजपुर के निकट 03 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनके सिर पर क्रिकेट बैट मारकर उनसे सोने–चांदी के आभूषण, कागजात, 20,000 रुपये नगदी व मोटरसाइकिल छीनकर मौके से फरार हो गए। सवायजपुर पुलिस ने लुटेरों के पास से 25 जोडी पायल, 02 गले की चौन, 08 सेट बिछिया, 12 अदद बच्चो के खडुए, एक कमर बिछुआ (सफेद धातु), एक माँगबेंदा, 01 नाक की बाली व दो नाक के फूल (पीली धातु, एक अदद देशी तमंचा 12 बोर मय 02 अदद जिंदा कारतूस, एक अदद देशी तमंचा 315 बोर मय एक अदद जिंदा कारतूस व 5700 रुपये नगदी बरामद किये है।पुलिस की पूछताछ में लुटेरों ने बताया कि उमेश यादव के सिर पर क्रिकेट बैट से प्रहार कर उनसे यह मोटरसाइकिल एवं एक बैग (जिसमे आभूषण व 20,000 रुपये) छीनकर मौके से फरार हो गए थे बरामद नगद धनराशि को आपस में बांट लिया गया था। वह लोग बचे हुए आभूषणों को बेचने जा रहे थे। निशादेही पर घटना में प्रयुक्त क्रिकेट बैट को निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे के किनारे गन्ने के खेत से बरामद किया गया।

नहर में नरमुंड मिलने से क्षेत्र में मचा हड़कंप

माह पूर्व गायब हुए अधेड़ का नरमुंड होने की आंशका

सुजानगंज (जौनपुर) । क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऊँचगांव में शारदा सहायक नहर में मानव नरमुंड तथा शरीर के कुछ अंग मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।मिली जानकारी के मुताबिक आज सुबह कुछ लोग शौच करने हेतु नहर की तरफ गये जहां पर नरमुंड दिखाई पड़ा जिसकी सूचना गांव तक पहुंच गयी जिससे मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गयी। लोगों द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गयी मौके पर थानाध्यक्ष ने पहुंच कर नरमुंड तथा शरीर के मिले अवशेष को अपने कब्जे में लेते हुए जांच हेतु जिला अस्पताल भेजा बताते चलें कि नहर के बगल ऊंचगाव गांव निवासी शैलेन्द्र सिंह लगभग माह पूर्व नहर पर से ही गायब हो गये थे जिनका पुल पर स्लीपर मिला था वहीं कुछ दूरी पर आज सुबह नरमुंड के साथ शरीर के अंगों के अवशेष मिले हैं जिससे ग्रामीणों ने आशंका जता रहे कि कुछ माह पूर्व गायब हुए अधेड़ का ही शव है जो किसी ने मार कर नहर में डाल दिया जो पानी अधिक होने से उस समय शव खोजने के बाद भी नहीं मिला पर यह तो जांच के उपरांत ही सत्यता सामने आयेगी। किस संदर्भ में पूछे जाने पर थाना अध्यक्ष सुजानगंज ने बताया नहर में किसी इंसान का सर एवं शरीर अंग के कुछ भाग मिले हैं जिन्हें हमने जांच हेतु भेज दिया है रिपोर्ट आने के बाद ही सत्यता सामने आएगी।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

स्टाल लगाकर युवाओं का किया पंजीकरण

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'
'पाली–(हरदोई)' पाली कस्बे में नगर पंचायत द्वारा रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत नेहरू युवा केंद्र की राष्ट्रीय युवा कोर स्वयंसेविका विकास खंड भरखनी श्याम लता के

नेतृत्व में युवा मंडल पाली के साथ कार्यक्रम में स्टाल लगाकर युवाओं का पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में पूर्व एन वाई सी विकास कुमार ने जनहित में जारी सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर युवाओं का आवाह्न किया। इस अवसर पर युवा मंडल के अन्य साथी मौजूद रहे।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद सादगी व शालीनता के प्रतिमूर्ति थे : जितेन्द्र बच्चन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

गाजियाबाद। समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा भारत के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 139 वीं जयंती मनाई गई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन ने राजेंद्र बाबू को श्रद्धासुमन अर्पित अर्पित करते हुए उन्हें शालीनता और सादगी का प्रतिमूर्ति बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने स्वतंत्रता संग्राम और संविधान निर्माण में अतुलनीय भूमिका निभाई। सादा जीवन और उच्च विचार के सिद्धांत पर आधारित उनका जीवन हम सभी को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित विनोद कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्वभाव से बहुत दयालु और निश्चछल थे। उनके बताए रास्ते पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। नन्दग्राम चित्रांश एसोसिएशन के अध्यक्ष राजन श्रीवास्तव ने कहा कि हम राजेंद्र बाबू के बताए रास्ते पर चलेंगे और उनके आदर्शों को आत्मसात करेंगे।

गिरधरपुर स्थित कन्हैयाकुंज में आयोजित जयंती कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों ने राजेंद्र बाबू के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एसकेएफआई के राष्ट्रीय निदेशक विजय कुमार श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव अशोक कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ सदस्य राजन कुमार, सदस्य मनोज श्रीवास्तव, अवधेश कुमार, शरद चंद्र श्रीवास्तव, डा. बृज किशोर, विनय कुलश्रेष्ठ, रितेश कुमार, सुरेश कुमार, रविशंकर, नवनीत कुमार, अंबरीश कुमार, श्रीमती लक्ष्मी श्रीवास्तव, रीना कुलश्रेष्ठ, पूजा श्रीवास्तव, अलका, प्रीति आदि उपस्थित रहे। इन सभी ने डॉ राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

मेडिकल कॉलेज के सामने दुर्गा डायग्नोस्टिक सेंटर का हुआ उद्घाटन

जांच में असहाय जरूरतमंदों को मिलेगी सहूलियत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सिद्धीकपुर के सामने दुर्गा डायग्नोस्टिक सेंटर खुल गया है। जहां से अब लोगों को किसी प्रकार की जांच के लिए कहीं नहीं भटकना पड़ेगा । उन्हें मेडिकल कॉलेज के सामने सभी तरह की जांच स्वास्थ्य चिकित्सा सहूलियत मिल जाएगी । असहाय जरूरतमंदों गरीबो को विशेष सुविधा प्रदान की जाएगी । दुर्गा डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाघाटन युवा नेता विवेक यादव ने फीता काटकर किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अब लोगों को भीड़भाड़ से होकर शहर में जांच के लिए नहीं जाना पड़ेगा । उन्हें सभी तरह की स्वास्थ्य संबंधी जांच सुविधा इसी केंद्र पर उपलब्ध रहेगी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगो को काफी लाभ पहुंचाएगा । हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आलोक यादव ने कहा कि लोगों की सहूलियत के लिए यह जांच केंद्र खोला गया है और इसमें गरीब असहाय जरूरतमंदों को विशेष सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके अलावा जो और भी जरूरते होंगे। उसका निदान मुख्यालय दुर्गा डायग्नोस्टिक सेंटर से भी किया जाएगा । यहा स्वास्थ्य संबंधी सभी प्रकार की जांच सुविधा उपलब्ध है। और मरीजों को दूर दराज भटकना नहीं पड़ेगा ।उन्हें जेब भी ढीली नहीं करनी पड़ेगी। रेडियो डायग्नोसिस विशेषज्ञ डॉक्टर स्वती यादव ने बताया कि महिलाओं के लिए जांच की विशेष सुविधाए है ।ज्यादातर महिला स्टाफ है जिससे महिलाओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। यह दुर्गा डायग्नोस्टिक सेंटर द्वितीय शाखा मेडिकल राजकीय मेडिकल कॉलेज के सामने बजरंग कॉलोनी में लोगों को परिपूर्ण जांच मिलेगी । इस अवसर पर पंडित अखिलेश मिश्रा, आरपी सिंह, दिनेश चौहान, अशोक यादव, मिथिलेश यादव, बृजेश यादव ,दिलीप मास्टर, बुल्लू यादव, रतन कुमार, विकास ,राहुल प्रजापति, मुकेश कुमार, राजेंद्र सिंह मौजूद रहे।

कूड़े के ढेर में मिली लाश , क्षेत्र में दहसत

सुल्तानपुर– कूड़े के ढेर में मिली महिला के शव की पहचान हो गयी है।रेखा (34)वर्ष पत्नी राजेन्द्र नजदीक के छतौना गांव की रहने वाली थी। उसका पति परदेश में रहकर कमाई करता था। जांच में पता चला है कि वह एक दिन पूर्व वह अपने चार बच्चों को छोड़कर घर से निकली थी।वह अपना फोन भी साथ ले गई थी। बच्चे इंतजार करते–करते सो गए।अगले दिन चरवाहों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करवाया।कोतवाली देहात थाना प्रभारी श्याम सुंदर ने बताया कि महिला की हत्या के मामले में तहरीर अभी नही प्राप्त हुई है। वह अपने परिवार से अलग रहती थी। अब पुलिस द्वारा मामले की तहकीकात की जा रही है। हालांकि पुलिस ने दावा किया है कि वैज्ञानिक पड़ताल के बाद घटना का खुलासा किया जाएगा।

मतदाता सूची के संशोधनों पर निगाह रखें कार्यकर्ता : अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा साजिश करने के अपने पुराने काम में लग गई है। वह धोखा देकर वोट हथियाना चाहती है। भाजपा अपनी राजनीति के लिए लाभार्थियों की सुविधाओं का राजनीतिक इस्तेमाल करके लोकतंत्र की निष्पक्षता को ही नष्ट करने की साजिश कर रही है। अखिलेश पार्टी मुख्यालय पर विधायकों और प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

कक्षा छह की छात्रा ने फांसी लगा की खुदकुशी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के आशियाना के भदरुख इलाके में कक्षा छह की छात्रा ने घर के बाथरूम में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। न ही परिवारीजन खुदकुशी की वजह बता सके। बहरहाल पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिवारीजनों को सौंप दिया। पुलिस के मुताबिक इमरान व इकरार कैटरिंग का काम करते हैं। वह अपनी मां आसिया बानो व छह बहनों के साथ रहते हैं। इसमें उनकी 11 साल की बहन अरजीना भी शामिल थी। अरजीना पास के ही भदरुख उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा छह की छात्रा थी। शुक्रवार को वह स्कूल गई थी। दोपहर बाद वह घर आई और अपने कमरे में चली गई।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर जनता का विश्वास कायम है : अजीत सिंह बब्बन

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल बनाने को लेकर कार्यकर्ताओं की हुई बैठक।

जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने बैठक में सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से सरकार की ओर से चल रही विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल बनाने में अपना 100 प्रतिशत योगदान करने का किया आवाहन। बैठक में जिला अध्यक्ष बोले कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में भारत विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था के शिखर पर पहुंचा है और जल्द ही तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भाजपा के 10 वर्ष के कार्यकाल में भारत ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। आज विश्व के बड़े बड़े निवेशक भारत में निवेश करने के लिए दौड़ लगा रहे है।

औद्योगिकीकरण क्षेत्र हो या सेवा क्षेत्र, निर्यात क्षेत्र हो या कृषि क्षेत्र सभी में भारत ने अनुमान के सभी आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है। यह सब इसलिए मुमकिन हुआ कि देश को एक सशक्त नेतृत्व और स्थाई सरकार का भरोसा मिला है। प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर जनता का विश्वास कायम है।

वहीं बैठक में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा देश के हर नागरिक के विकास की कहानी बयां कर रही है। भारत का नागरिक आज आत्मसम्मान के साथ भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत से प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा फायदा महिलाओं को मिला है। देश की आधी आबादी के सम्मान को स्थापित करने का काम अगर किसी ने किया है तो वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में इसका उदाहरण भी सबने देख लिया। पुरुषों से आगे निकलते हुए महिलाओं ने भाजपा पर अपना विश्वास दिखाते हुए शत प्रतिशत वोट किया। भाजपा सरकार ने गरीब के आत्मबल को कल्याणकारी योजनाओं के जरिए मजबूत करने का काम किया है।

भाजपा ने सेवा और सुशासन की राजनीति का नया मॉडल तैयार किया है, जिसके मूल में देश और देशवासी हैं।

बैठक को जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती पीके वर्मा ने भी संबोधित किया। संचालन जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा तथा अभियान के संयोजक पूर्व जिला उपाध्यक्ष आजाद भदौरिया ने किया।

बैठक में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री कर्मवीर सिंह चौहान एसपी मौर्य संदीप सिंह संजय सिंह गुड्डू महामंत्री सतेंद्र राजपूत मंत्री अविनाश पांडे अजय शुक्ला मीना वर्मा मंगतराम नीतू चंद्रा मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक सह मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी आईटी प्रमुख सौरभ सिंह अमित दीक्षित सोशल मीडिया टीम तथा मंडल अध्यक्षगण मौजूद रहे।

हॉकी के जादुगर की पुण्यतिथि पर युवाओं ने किया वृद्ध सेवा

दीन दुखियों की सेवा के लिए सामर्थ्यवान लोग आगे आये-आकाश गुप्ता

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द जी की पुण्य तिथि की पूर्व संध्या हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द जी की पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर उन्हे श्रद्धांजलि अयोध्या के स्वरूप श्रावण कुंज मंदिर स्थित वृद्ध महिला आश्रम में रहने वाली सभी वृद्ध माताओं को दैनिक की ओर से उपयोगी वस्तुओ का वितरण किया गया और उसके बाद सभी माताओं को संस्था की ओर से लंच नाश्ता कर कराया गया। दैनिक उपयोगी वस्तुओं में सर्फ, नहाने व कपड़ा धोने का साबुन, विस्किट, नमकीन, मंजन, शैम्पू इत्यादि रहा।मेजर ध्यान चंद खेल उत्थान समिति और राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन के बैनर तले व समाजसेविका मिन्हाज सुगरा जी के सहयोग से होने वाले इस कार्यक्रम में समाजसेवी राजेश चौबे ने कहा कि मेजर ध्यानचन्द दद्दा जी को अभी तक भारत रत्न न मिलना देश का दुर्भाग्य व सभी खिलाड़ियों की उपेक्षा हैं।

संस्था अध्यक्ष आकाश गुप्ता ने कहा कि दीन दुखियों की सेवा करना सबसे पुनीत कार्य है और सामर्थ्यवान लोगों को इसे पुनीत कार्य के लिए आगे आना चाहिए।

इस मौके पर राहुल कुमार, पल्लवी वर्मा,अमरेश चंद मिश्र, शशि रावत, मिन्हाज सुगरा, इंद्रप्रीत सिंह वेदी, आशीष कौर, शैल कुमारी व अन्य रहे । इस मौके पर वृद्धा आश्रम की अधीक्षिका मीना अवस्थी, काउंसलर नीलम श्रीवास्तव, स्टाफ नर्स शशि पांडेय व अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।पर उन्हे श्रद्धांजलि अयोध्या के स्वरूप श्रावण कुंज मंदिर स्थित वृद्ध महिला आश्रम में रहने वाली सभी वृद्ध माताओं को दैनिक की ओर से उपयोगी वस्तुओ का वितरण किया गया और उसके बाद सभी माताओं को संस्था की ओर से लंच नाश्ता कर कराया गया। दैनिक उपयोगी वस्तुओं में सर्फ, नहाने व कपड़ा धोने का साबुन, विस्किट, नमकीन, मंजन, शैम्पू इत्यादि रहा।मेजर ध्यान चंद खेल उत्थान समिति और राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन के बैनर तले व समाजसेविका मिन्हाज सुगरा जी के सहयोग से होने वाले इस कार्यक्रम में समाजसेवी राजेश चौबे ने कहा कि मेजर ध्यानचन्द दद्दा जी को अभी तक भारत रत्न न मिलना देश का दुर्भाग्य व सभी खिलाड़ियों की उपेक्षा हैं।

संस्था अध्यक्ष आकाश गुप्ता ने कहा कि दीन दुखियों की सेवा करना सबसे पुनीत कार्य है और सामर्थ्यवान लोगों को इसे पुनीत कार्य के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर,रामनयन पाठक,राहुल कुमार, पल्लवी वर्मा,अमरेश चंद मिश्र, शशि रावत, मिन्हाज सुगरा, इंद्रप्रीत सिंह वेदी, आशीष कौर, शैल कुमारी व अन्य रहे। इस मौके पर वृद्धा आश्रम की अधीक्षिका मीना अवस्थी, काउंसलर नीलम श्रीवास्तव, स्टाफ नर्स शशि पांडेय व अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

अयोध्या विद्यापीठ कॉलेज आफ फार्मेसी ने निकाली एड्स जागरूकता रैली

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)विधानसभा मिल्कीपुर के करमडांडा गांव स्थित अयोध्या विद्यापीठ कॉलेज आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज के छात्र–छात्राओं ने विश्व एड्स दिवस के अवसर पर 5 किलोमीटर लंबी जागरूकता रैली निकाली। रैली को कॉलेज के डायरेक्टर डॉ प्रशांत शुक्ला ने कॉलेज कैंपस से हरी झंडी दिखाते हुए रवाना किया।जागरूकता रैली सर्वप्रथम ग्रामीण अंचल के गांव करमडांडा खास,पूरे अमीर सिंह, पटखौली से अयोध्या–रायबरेली फोरलेन पर स्थित खिहारन,बारुन चौराहा होते हुए बारुन बाजार तक गई तथा उसके बाद वापसी में गंगाराम का पुरवा,पटखौली होते हुए कॉलेज परिसर में वापस आकर समाप्त हुई। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने अपने हाथों में स्लोगन लिखित तख्तियां तथा जागरूकता आधारित नारों का उदघोष करते हुए स्थानीय लोगों को एड्स बीमारी के प्रति जागरूक किया।रैली में नर्सिंग के प्राचार्य मनोज कुमार समाधिया,फार्मेसी के प्राचार्य रुकुमकेश वर्मा,शिक्षक स्वप्निल तिवारी,शालिनी वर्मा,रोहित राजपूत,अमरेश मिश्रा,पूजा पांडेय,सत्यनारायण समेत कालेज के समस्त स्टाफ व सैकड़ो की संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहीं।

''ओ'' लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण के लिए 17 दिसम्बर तक करें आवेदन:–तिवारी

चयनितों को बायोमैट्रिक उपस्थित के साथ 26 दिसम्बर से दिया जायेगा प्रशिक्षण:–जि0पि0वर्ग कल्याण अधिकारी

हरदोई– पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विनीत कुमार तिवारी ने अन्य पिछड़ा वर्ग के इण्टर मीडिएट पास बेरोजगार युवक–युवतियों को सूचित किया है कि जिनके अभिभावकों की शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में वार्षिक आय एक लाख तक है वह सरकार द्वारा संचालित ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत तृतीय चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने हेतु 05 से 17 दिसम्बर 2023 तक विभागीय वेबसाइट पर शिक्षा एवं अन्य सभी अभिलेखों सहित ऑनलाइन आवेदन अपलोड कराकर हार्ट कापी कार्यालय में 17 दिसम्बर 2023 तक जमा करें।

उन्होने कहा कि गठित कमेटी द्वारा सभी आवेदनों की जांच आदि प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद चयनित प्रशिक्षणार्थियों को आधार आधारित बायोमैट्रिक उपस्थित के साथ 26 दिसम्बर 2023 से ''ओ'' लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रारम्भ कराया जायेगा। विनीत कुमार तिवारी ने कहा है कि अभ्यर्थी छात्रवृत्ति शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन न करें तथा अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर–9076600582 पर सम्पर्क करें।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा से पहले रेलवे बढ़ाएगा ट्रेनों की संख्या

श्रद्धालुओं को मिलेगी वर्ल्ड क्लास की सुविधा

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी रामनगरी अयोध्या में जोर शोर से चल रही है। 22 जनवरी 2024 को रामलला राम मंदिर में विराजमान होंगे।हर रोज लाखों श्रद्धालुओं की रामनगरी अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं को रामनगरी अयोध्या पहुंचने के लिए सड़क मार्ग, रेल मार्ग और वायु मार्ग से कोई परेशानी न हो इसको लेकर अब उनके आवागमन की तैयारी भी जोर शोर से शुरू हो गई है।दिसंबर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी शुरू हो जाएगा और श्रद्धालुओं को रेल मार्ग से भी अब यात्रा करने में कोई असुविधा नहीं होगी। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने भी रामनगरी अयोध्या के लिए अतिरिक्त ट्रेन चलाने की तैयारी भी कर रहा है।रेलवे ने जनवरी महीने में होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देखते हुए तैयारियां तेज कर दी है।बीते दिनों रेलवे की डीआरएम डॉक्टर मनीष ने अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन और अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन का स्थलीय निरीक्षण कर चुके हैं।श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधा को चुस्त और दुरुस्त करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी श्रद्धालु को रेलवे स्टेशन पर कोई दिक्कत न हो।रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारी में अब रेलवे भी कमर कसकर जुट गया है।रेलवे के आला अधिकारी रामनगरी अयोध्या पहुंचकर जमीनी हकीकत को बारीकियों से परख रहे हैं।डीआरएम मनीष कात्याल ने बताया कि जनवरी माह में श्रद्धालुओं की संख्या अयोध्या में बढ़ेगी।उसकी तैयारी हम लोग कर रहे हैं। एक तरफ रेलवे का डबिंग लाइन का कार्य भी चल रहा है।हम लोग उसी की समीक्षा कर रहे हैं कि जब श्रद्धालु बढ़ेंगे तो उनको अधिक से अधिक क्या सुविधा मिले। किसी प्रकार की असुविधा उनको न हो इसकी तैयारी हम लोग कर रहे हैं।

परिसर परामर्श केंद्र की पहल से एक परिवार टूटने से बचा

अयोध्या। सोमवार को महिला परिवार परामर्श केन्द्र अयोध्या पुलिस की पहल पर एक परिवार टूटने से बचा। बताते चलें कि इस समय एसएसपी राज करन नय्यर की निर्देश पर परिवार परामर्श केंद्र ऐसे परिवार को मिलाने का प्रयास कर रहा है जो छोटी सी छोटी बात को लेकर बिखर जाते हैं। उसी कड़ी में सोमवार को महिला सहायता प्रकोष्ठ (परिवार परामर्श केन्द्र) जनपद अयोध्या में रूबी पत्नी रंजीत निवासी मोहल्ला वजीरगंज चेला छावनी थाना कोतवाली नगर विपक्षी रंजीत पुत्र अमर निवासी मोहल्ला वजीरगंज चेला छावनी कोतवाली नगर के मध्य पारिवारिक विवाद होने के सम्बन्धमे प्रार्थना पत्र दिया था।जिसके सम्बन्ध मे उपरोक्त पक्ष व विपक्ष को महिला सहायता प्रकोष्ठ (परिवार परामर्श केन्द्र) जनपद अयोध्या मे काउंसिलिंग के लिये बुलाया गया। उस समय वहां पर मौजूद परिवार परामर्श केन्द्र के प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र पाण्डेय के मार्गदर्शन मे दोनो पक्षो ने आपसी तालमेल से प्रथम दिवस ही सुलह समझौता कराने का सराहनीय कार्य किया।इस मौके पर काउंसलर श्यामा शर्मा, महिला आरक्षी संजना चौहान व शुभांशी मौजूद रही।

पीयू के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मनमोहा

विभिन्न प्रदेश के लोक नृत्यों का छात्रों ने किया प्रस्तुतीकरण

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने माइम के जरिए दिखाया देशप्रेम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार की देर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह एवं विश्वविद्यालय में आयी नैक पीयर टीम ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। कार्यक्रम में कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शिव पार्वती नृत्य, माईम, गायन के साथ–साथ विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रदेश की संस्कृति को भी अपने प्रस्तुति में दिखाया। माईम प्रस्तुति में छात्रों ने देशभक्ति एक्ट प्ले करके लोगों को भावुक भी किया और एक जवान के शहीद होने पर उसके घर की स्थितियां क्या होती है, इसकी जबरदस्त प्रस्तुति की। कार्यक्रम का संचालन दिव्या एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ जान्हवी श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर वित्त अधिकारी उमाशंकर, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उप कुलसचिव अमृतलाल, सहायक कुलसचिव बबिता, अजीत सिंह, दीपक सिंह, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मुराद अली, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डॉ मनोज मिश्र, डॉ. राजकुमार, डॉ आशुतोष सिंह, डॉ मनीष गुप्ता, डॉ सुनील कुमार, डॉ रसिकेश, डॉ मनोज कुमार पांडेय, डॉ. करुणा निराला, डॉ लक्ष्मी प्रसाद मौर्या, सहित विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं मौजूद रहें।

पांच ट्रेनों का रूट बदला, इन स्टेशनों से गुजरेंगी ट्रेनें।

अयोध्या।वाराणसी से अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने वाली पांच ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया है। ट्रेनें अब बदले हुए रूट से गंतव्य तक जा रही हैं। ट्रैक पर इंटरलाकिंग काम की वजह से यह निर्णय लिया गया है। बताते चलें कि वाराणसी से अयोध्या–लखनऊ रेल खंड पर पटरंगा–रौजागांव–रुदौली सेक्शन में शनिवार से इंटरलाकिंग का काम हो रहा है।इसके चलते तीन से नौ दिसंबर तक अलग–अलग तिथियों पर डाउन गुवाहाटी–ओखा द्वारिका एक्सप्रेस, कामाख्या–गांधीधाम एक्सप्रेस, कोटा–पटना एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस व अप कोलकाता–जम्मूतवी एक्सप्रेस सुल्तानपुर और जौनपुर सिटी के रास्ते जाएगी।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में शामिल होंगें बलिदानी कारसेवकों का परिवार

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा बलिदानी कारसेवकों को भेजा गया आमंत्रण पत्र

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) 1990 की गोली कांड घटना में बलिदान हुए राम और शरद कोठारी की बहन पूर्णिमा कोठारी अयोध्या पहुंची।अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय से मुलाकात की।प्राण प्रतिष्ठा के दौरान बलिदान भाइयों की याद में राम भक्तों की सेवा कोठारी परिवार करेगा।ठंडक में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के दौरान आने वाले राम भक्तों चाय वितरित करेंगी।पूर्णिमा कोठारी के निवेदन पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में सहमति जताई।पूर्णिमा कोठारी का मानना है कि भाइयों का संकल्प आज हो पूरा रहा है।प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में शामिल होने की थी जिसके चलते ट्रस्ट ने उन्हें आमंत्रण भेजा।

सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह पूर्वक मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आदर्श विहार स्थित सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल, लखनऊ के 13वें वार्षिक दिवस ष्उत्सवष मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. सतीश चंद्र द्विवेदी पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री उ.प्र. सरकार, पवन सिंह चौहान सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश एवं अमन सिंह चौहान सदस्य भाजपा कार्यकारिणी ने छात्र–छात्राओं को अपने आशीर्वाद से अभिसिंचित किया। स्कूल प्रबंधन आप सभी गणमान्य जनों का आभारी है।

नन्हे प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रान्तों की नृत्य शैली की झलक प्रस्तुत की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वार्षिक समारोह के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल,एल्डिको

विद्यालय का प्रांगण दर्शकों के तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विद्यालय के प्रांगण में वार्षिकोत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जेसीपी उपेन्द्र अग्रवाल , संयुक्त पुलिस आयुक्त लखनऊ साथ ही चिरंजीव नाथ सिन्हा, संयुक्त पुलिस आयुक्त, लखनऊ और विशिष्ट अतिथि के रूप में रश्मि सिन्हा , अपर पुलिस अधीक्षक, लखनऊ ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । इस अवसर पर अन्य विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम का मान बढ़ाया। सुपरहाउस ग्रुप के चेयरमैन मुख्तारूल अमीन के साथ साथ शाहीना अमीन , जफर उल अमीन और विद्यालय की निदेशिका फिरदौस अमीन जी ने भी उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अतिरिक्त अन्य विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने भी अपनी उपस्थिति से समारोह में चार चांद लगाए।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ । हमें बचपन की सपनीली दुनिया में ले जाते हुए प्राइमरी कक्षा के नन्हे मुन्नों ने मंच पर डोरेमोन ,छोटा भीम आदि को जीवन्त कर दर्शक दीर्घा में उपस्थित सभी के दिल में बचपन की यादें ताजा कर दीं।

जेसीपी उपेन्द्र अग्रवाल ने अपने आतिथेय भाषण से सभी को संबोधित करते हुए प्रेरणादायी शब्द कहे । कक्षा एक और दो के नन्हे प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रान्तों की नृत्य शैली की झलक प्रस्तुत की और अनेकता में भी एकता का संदेश दिया।

10 मार्च को झूलेलाल वाटिका में 05 हजार महिलाएं एक साथ करेंगी सुन्दरकांड का पाठ, बनेगा रिकार्ड

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ईश्वरीय स्वपनाशीष सेवा समिति की ओर से सत्य सनातन नारी शक्ति लक्ष्मणपुरी की महिलाए आगामी 10 मार्च को लखनऊ के झूलेलाल वाटिका मे 05 हजार महिलाओं के साथ भव्य सुन्दरकांड का पाठ कर रिकार्ड बनाने जा रही है। जिसको लेकर रविवार को भूतनाथ स्थित सावित्री प्लाजा में मासिक संगोष्ठी के साथ ही प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए सनातन ध्वजवाहिका एवं श्री परमानंद हरि हर मंदिर की संस्थापिका सपना गोयल ने कहा कि देवो द्वारा निर्मित भारत वर्ष को अपनी आध्यात्मिक पहचान दिलाने हेतु सनातन धर्म की रक्षा एवं लखनऊ को लक्ष्मणपुरी की पहचान व पूरे विश्व में सनातन धर्म के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को हर स्थानिय मंदिर पर सुन्दरकांड पाठ की मुहीम चलाई जा रही है।

सरस्वती डेंटल कॉलेज- रजत जयंती समारोह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पिछले कुछ दिनों में सरस्वती डेंटल कॉलेज का शानदार माहौल अद्भुत आनंदमय और असाधारण प्रतिस्पर्धा से भर गया है।

छात्रों की कल्पनाशीलता और नवीनता कौशल का परीक्षण करने के एक अनूठे उद्देश्य के साथ आज आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम में पुस्तक कवर डिजाइन प्रतियोगिता थी, जिसमें प्रत्येक सदन से दो प्रतिभागियों, अर्थात् टैगोर, रमन, कृष्णन और चावला सदन ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने पुस्तक के कवर को खूबसूरती से डिजाइन करके अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। पुस्तक कवर डिजाइन के नियमों में निम्नलिखित शामिल हैं।

1. प्रत्येक सदन का प्रतिनिधित्व केवल 2 प्रतिभागियों द्वारा किया जाएगा। केवल व्यक्तिगत भागीदारी स्वीकार की जाएगी (कोई टीम वर्क नहीं)।

2. पूरा करने के लिए आवंटित समय केवल 120 मिनट था।

3. उन्हें दी गई थीम थी सरस्वती डेंटल कॉलेज सिल्वर जुबली एरा।

इसलिए प्रतिभागियों को चार्ट पेपर प्रदान किया गया और उन्हें अपनी सामग्री, स्केच पेन, रंग इत्यादि लाने थे और उन्हें रजत जयंती पुस्तक के सामने और पीछे के कवर के लिए अपने डिजाइन बनाने के लिए कहा गया था।पहलुओं पर स्कोरिंग की जा रही थीविषय का औचित्य, समग्र रचनात्मकता, नवीनता की गहराई और कवर की समग्र प्रस्तुति। छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया और कॉलेज के हर पहलू और रजत जयंती थीम के बारे में बेहतरीन विचारों से युक्त कुछ शानदार डिजाइन बनाए।

प्रतिभागियों को उनकी रचनात्मकता, नवीनता और कलाकृति के आधार पर आंका गया। निर्णायक डॉ. रजत माथुर, प्राचार्य डॉ. केएन दुबे, कमांडर सुमित घोष थे और कार्यक्रम डॉ. रागिनी टंडन और डॉ. शैलजा श्रीवास्तव की देखरेख में आयोजित किया गया। मुकाबला कांटे का रहा। भाग लेने वाले प्रतिभागी थे – रिया, रुचिता, इंजिला, कनुप्रिया, ग्रेसी, प्रीति, शिवांगी, इंशा आफरीन।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।